ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष- पूर्णिमा, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 325 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
31 मई 2026 रविवार

आज का मौसम
40.0 अधिकतम
22.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

बंगाल की धरती के नीचे छिपा तेल और सतह पर तैरते सियासी सवाल...

बंगाल के अशोकनगर में मौजूद तेल और गैस का भंडार महज ऊर्जा प्रोजेक्ट नहीं था। यह बीते छह सालों से सूबे की सियासत, केंद्र-राज्य संबंधों और विकास के साथ देश हित का बड़ा मुद्दा रहा है। इस बात में कोई शक नहीं कि यदि ममता सरकार ने आठ साल पहले तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) की इस खोज के लिए वक्त रहते जमीन की लीज दे दी होती तो सूरत बदल सकती थी। वे मौजूदा तेल आपूर्ति में भागीदारी करके विदेशी मुद्रा के बोझ को थोड़ा ही सही कम तो करतीं। सिंगूर और नंदीग्राम के ममता के कुछ दाग धुलते और बंगाल की अर्थव्यवस्था और रोजगार की तस्वीर भी बदलती।

विश्लेषण
राजेश सिरोठिया

ओएनजीसी ने दस साल की मेहनत के बाद वर्ष 2018 में उत्तर 24 परगना जिले के अशोकनगर क्षेत्र में महत्वपूर्ण तेल और गैस भंडार खोजे थे। यह पूर्वी भारत की पहली बड़ी व्यावसायिक हाइड्रोकार्बन खोज थी। ओएनजीसी का बंगाल बेसिन में लगभग 24 करोड़ बैरल तेल रिजर्व का आकलन है। बीस दिसंबर को भारत सरकार ने इसे राष्ट्रीय प्रोजेक्ट घोषित करके ऐलान कर दिया था कि बंगाल की ही हल्दिया स्थित इंडियन आयल की तेल रिफायनरी में इसका दोहन होगा तो हजारों करोड़ रुपये के निवेश, रोजगार और राजस्व के रास्ते खुल सकते हैं। सिर्फ तेल - गैस ही नहीं पेट्रोकेमिकल काम्प्लेक्स में कई चीजों का उत्पादन होगा।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि खोज के बाद उत्पादन शुरू होने में इतना लंबा समय क्यों लगा? बीजेपी लगातार आरोप लगाती रही कि ममता बनर्जी सरकार ने पेट्रोलियम माइनिंग लीज देने में देरी की। बंगाल भाजपा प्रदेश अध्यक्ष समीक भट्टाचार्य ने दावा किया कि ओएनजीसी द्वारा भेजे गए अनेक अनुरोधों पर तत्कालीन राज्य सरकार ने जवाब नहीं दिया। उन्होंने यहां तक कहा कि अशोकनगर और रानाघाट से जुड़े पेट्रोलियम माइनिंग लीज के मामलों में वर्षों तक फाइलें लंबित रहीं। तृणमूल कांग्रेस का तर्क था कि लीज पर्यावरणीय मंजूरियों, राजस्व हिस्सेदारी और कानूनी प्रक्रियाओं से जुड़े तकनीकी पहलुओं के कारण अटकी। मार्च 2025 में पश्चिम बंगाल सरकार ने अंततः ओएनजीसी को बड़े पैमाने पर ड्रिलिंग के लिए आवश्यक मंजूरियां और भूमि उपलब्ध कराने की दिशा में कदम बढ़ाए, लेकिन वे तार्किक परिणिति तक नहीं पहुंचे। बंगाल में भाजपा की शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार के आने के बाद ही इस प्रोजेक्ट ने रफ़्तार पकड़ना शुरू किया है। ऊर्जा के मोर्चे पर देखें तो अशोकनगर परियोजना केवल बंगाल की नहीं बल्कि पूरे देश की रणनीतिक जरूरत थी और ईरान जंग के बाद के हालात में तो इस पर और भी तेजी से काम करने की जरुरत है। भारत आज भी अपनी जरूरत का अधिकांश कच्चा तेल आयात करता है। ऐसे में घरेलू उत्पादन बढ़ाने वाली हर परियोजना राष्ट्रीय महत्व रखती है। अशोकनगर से निकलने वाला तेल और गैस भविष्य में हल्दिया रिफाइनरी तथा पूर्वी भारत के पेट्रोकेमिकल एवं उर्वरक उद्योगों को नई ऊर्जा दे सकते हैं। इस परियोजना को राजनीति की नहीं, उत्पादन की जरूरत है। यदि बंगाल वास्तव में औद्योगिक पुनर्जागरण चाहता है तो उसे सिंगूर और नंदीग्राम की राजनीति से आगे बढ़कर अशोकनगर जैसे अवसरों को आर्थिक विकास में बदलना होगा। क्योंकि जमीन के नीचे पड़ा तेल तभी संपत्ति बनता है, जब वह पाइपलाइन और रिफाइनरी तक पहुंचे। अन्यथा वह केवल राजनीतिक भाषणों का हिस्सा बनकर रह जाता है। अशोकनगर परियोजना हमें एक बड़ा सबक भी देती है।

हल्दिया रिफाइनरी और कसौटी पर सूबे का विकास

हल्दिया रिफाइनरी इस पूरी कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। पश्चिम बंगाल के पूर्वी मिदनापुर जिले में स्थित यह रिफाइनरी पूर्वी भारत की ऊर्जा आपूर्ति का प्रमुख केंद्र है। यदि अशोकनगर से निकलने वाला कच्चा तेल और गैस व्यावसायिक स्तर पर उपलब्ध होते हैं,तो उनके प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन के लिए हल्दिया एक स्वाभाविक केंद्र बन सकता है। इसका अर्थ है कि राज्य केवल कच्चा संसाधन उत्पादक नहीं रहेगा, बल्कि मूल्यवर्धित पेट्रोकेमिकल और ऊर्जा उत्पादों का भी केंद्र बन सकता है। भारत में अक्सर संसाधनों की कमी को विकास की बाधा माना जाता है, जबकि वास्तविक समस्या कई बार संसाधनों के दोहन में आने वाली प्रशासनिक और राजनीतिक अड़चनें होती हैं। बंगाल के पास बंदरगाह हैं, बाजार हैं, श्रमशक्ति है, ऊर्जा संसाधन हैं और रणनीतिक भौगोलिक स्थिति भी है। यदि इसके बावजूद परियोजनाएं अटकती हैं, तो निवेशकों का भरोसा कम होता है।

बंगाल के भविष्य की परीक्षा

आने वाले वर्षों में अशोकनगर प्रोजेक्ट का आकलन इस बात से नहीं होगा कि वहां से कितना तेल निकला? वास्तविक पैमाना यह होगा कि क्या बंगाल अपनी राजनीतिक खींचतान से ऊपर उठकर ऊर्जा और उद्योग आधारित विकास मॉडल को अपना पाता है? यदि यह भी राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का शिकार बन गया, तो जमीन के नीचे दबा तेल केवल एक अधूरी संभावना बनकर रह जाएगा। बंगाल के लोगों के सामने भी यह एक यक्ष प्रश्न है कि वे संसाधनों के दोहन, निवेश और रोजगार को प्राथमिकता देने वाली राजनीति चाहते हैं, या फिर वही पुरानी वैचारिक लड़ाइयां? अशोकनगर का तेल केवल ऊर्जा का स्रोत नहीं है, यह बंगाल के भविष्य की परीक्षा भी है। और इसका नतीजा ही आने वाले वर्षों में इस जटिलतम सूबे की आर्थिक नियति तय करेगा।

मैच का सीधा प्रसारण शाम 7 बजे

आईपीएल 2026 का महामुकाबला आज

खिताब के लिए भिड़ेंगे जीटी और आरसीबी

अहमदाबाद। गुजरात टाइटन्स और मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच आज अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आईपीएल 2026 का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। यह खिताबी मुकाबला शाम 7 बजे शुरू होगा। आईपीएल के इतिहास में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटन्स नौ बार एक-दूसरे से भिड़ चुके हैं। हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में आरसीबी का पलड़ा भारी है। आरसीबी ने गुजरात को अब तक 5 मुकाबलों में शिकस्त दी है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दोनों ही टीमों का रिकॉर्ड शानदार है। पिछले साल आरसीबी ने पंजाब किंग्स को हराकर अपना पहला आईपीएल खिताब इसी मैदान में जीता था। वहीं, गुजरात टाइटन्स ने इसी मैदान पर अपने डेब्यू सीजन में साल 2022 में राजस्थान को खिताबी मुकाबले में हराया था।

न्यूज विंडो

सीयूईटी यूजी : अभ्यर्थियों के लिए पुनर्परीक्षा होगी

नईदिल्ली। एनटीए ने 3,765 उम्मीदवारों के लिए विशेष पुनर्परीक्षा आयोजित करने की घोषणा की है। ये वे अभ्यर्थी हैं जिन्होंने 30 मई को आयोजित सीयूईटी यूजी 2026 की पहली शिफ्ट की परीक्षा के दौरान तकनीकी समस्या के कारण परीक्षा केंद्र छोड़ दिया था। एजेंसी का कहना है कि प्रभावित छात्रों को निष्पक्ष अवसर प्रदान करने के लिए यह निर्णय लिया गया है। एनटीए ने बताया कि कुछ परीक्षा केंद्रों पर तकनीकी खराबी के चलते परीक्षा शुरू होने में देरी हुई।

किसानों ने केंद्र से मांगा 10 हजार करोड़ का राहत पैकेज

नासिक। महाराष्ट्र के प्याज किसानों ने केंद्र सरकार से 10,000 करोड़ रुपये के विशेष राहत पैकेज की मांग की है। किसानों का कहना है कि निर्यात पर रोक, प्राकृतिक आपदाओं और कीमतों में गिरावट ने उन्हें गहरे आर्थिक संकट में धकेल दिया है। महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक किसान संगठन के संस्थापक अध्यक्ष भारत दिघोले के अनुसार, गलत निर्यात नीतियों, नकली बीजों और भंडारण में होने वाले नुकसान से किसानों को पिछले कुछ वर्षों में बहुत घाटा हुआ है।

आज का कार्टून

ट्विशा को चाहिए न्याय... महिला डीएसपी कर रही हैं पूर्व जज से पूछताछ

घबराहट की शिकायत कर सीबीआई के सवालों से बच रही हैं गिरिबाला

जांच का फोकस
क्राइम सीन से छेड़छाड़ और सीसीटीवी फुटेज पर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा मौत मामले की जांच कर रही सीबीआई की पूछताछ के दौरान पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरिबाला सिंह से एंग्जायटी और घबराहट की शिकायत की है। पूछताछ के दौरान उनसे कई अहम बिंदुओं पर जवाब मांगे जा रहे हैं। जांच का मुख्य फोकस कथित क्राइम सीन से छेड़छाड़, सीसीटीवी फुटेज और डिजिटल सबूतों को सुरक्षित से जुड़े पहलुओं पर है।

सूत्रों के अनुसार शनिवार देर रात तक चला सीबीआई के सवालों का सिलसिला आज सुबह से भी जारी है। जांच एजेंसी की कोशिश है कि अदालत से मिली रिमांड अवधि के दौरान ज्यादा से ज्यादा जानकारी एकत्र कर ली जाए। हालांकि गिरिबाला सिंह बार-बार एंग्जायटी और घबराहट की शिकायत कर रही हैं। बताया जा रहा है कि वह लगातार बेचैनी की बात कहकर पूछताछ से बचने का प्रयास कर रही हैं। उनसे पूछताछ की जिम्मेदारी सीबीआई की ओर से एक महिला डीएसपी को दी गई है। कानून के जानकारों का कहना है कि कई बार आरोपी सवालों से बचने के लिए बीमारी की बात कहते हैं। कुछ की कोशिश होती है कि उन्हें अस्पताल में भर्ती करा दिया जाए। हालांकि इस मामले में अभी ऐसी स्थिति नहीं है।

पूछताछ के दौरान सीबीआई ने केस डायरी में दर्ज गवाहों के बयानों का हवाला देते हुए यह जानने की

कोशिश की कि कई गवाह और परिवार के सदस्य लगातार प्रताड़ना और क्रूरता के आरोप क्यों लगा रहे हैं? एजेंसी ने पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में दर्ज चोटों का भी जिक्र किया। जांच अधिकारियों ने पूछा कि ट्विशा के शरीर पर मिले कथित मृत्यु-पूर्व चोटों के निशान कैसे आए और उस समय परिवार के सदस्य मौके पर मौजूद थे या नहीं। साथ ही यह भी जानने का प्रयास किया गया कि ये चोटें शव को संभालने की सामान्य प्रक्रिया से मेल क्यों नहीं खातीं।

सूत्रों के मुताबिक, इन सवालों पर गिरिबाला सिंह ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया और अधिकांश समय या तो खामोश रहीं या खुद पर लगे आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने सीबीआई के सामने यह आशंका भी व्यक्त की कि गर्भपात के बाद अवसाद में आने के कारण ट्विशा ने आत्मघाती कदम उठाया हो सकता है। उनका जोर इसी बात पर है कि ट्विशा को उन्होंने चार महीने में सात लाख रूपए से जयादा की राशि दी थी। ऐसे में दहेज प्रताड़ना की बात निराधार है।

डिजिटल साक्ष्य ही मुख्य आधार

सीबीआई ने वॉट्एसऐप चैट और दूसरे डिजिटल सबूतों को पूछताछ का प्रमुख आधार बनाया है। एजेंसी ने शादी के बाद ट्विशा शर्मा और ससुराल पक्ष के संबंधों, संभावित विवादों और मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना से जुड़े आरोपों पर विस्तृत जवाब मांगे हैं। इसके अलावा ट्विशा की गर्भावस्था को लेकर परिवार में हुई चर्चाओं और उस पर कथित दबाव डाले जाने के आरोपों के संबंध में भी सीबीआई ने कई सवाल पूछे हैं। सूत्रों के अनुसार एजेंसी अब गवाहों के बयान, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर), सीसीटीवी फुटेज, डिजिटल डिवाइसों से प्राप्त डेटा और पूछताछ के दौरान दिए गए जवाबों का आपस में मिलान कर रही है। जांचकर्ताओं का मानना है कि इन तथ्यों के विश्लेषण से यह स्पष्ट हो सकेगा कि घटना के बाद साक्ष्यों को प्रभावित करने या जांच की दिशा बदलने का कोई प्रयास किया गया था या नहीं।

ईरान का दावा

अमेरिकी MQ-1 ड्रोन मार गिराया

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया है कि उसकी एयर डिफेंस यूनिट ने रविवार को ईरानी हवाई सीमा में घुसे अमेरिकी एमक्यू-1 ड्रोन को मार गिराया। यह जानकारी ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी ने दी है। ड्रोन को एयर डिफेंस और निगरानी सिस्टम ने तुरंत पहचान लिया था। इसके बाद एडवांस मिसाइल सिस्टम से उसे निशाना बनाकर गिरा दिया गया। ईरान ने दावा किया कि ड्रोन अमेरिकी सेना का था और दुश्मनी भरे ऑपरेशन के इरादे से सीमा में दाखिल हुआ था। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि उन्हें ईरान के साथ समझौते की कोई जल्दी नहीं है। अमेरिका धीरे-धीरे अपनी शर्तें मनवा रहा है। हम बेहतरीन डील करेंगे और अगर ऐसा नहीं हुआ तो हम सैन्य तरीका अपनाएंगे। साथ ही ट्रम्प ने दावा किया कि, ईरान परमाणु हथियार न खरीदने पर सहमत हो गया है।

उत्तर प्रदेश में पैरा एथलीट की हत्या मारने के बाद कुचल दिया चेहरा

गाजियाबाद, एजेंसी

बंगलूरू में 8वीं इंडियन ओपन पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता में स्वर्ण व रजत पदक जीत घर लौट रहे अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलीट चिराग त्यागी (24) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। गाजियाबाद के साई उपवन में उनका शव मिला। हत्या के आरोप में साथी पैरा एथलीट यश खटीक को हिरासत में लिया गया है।

डीसीपी धवल जायसवाल के अनुसार, चिराग को पीठ में गोली मारने के बाद उसका चेहरा बुरी तरह कुचल दिया गया था। मौके से चिराग का एक मोबाइल फोन मिला, जबकि दूसरा फोन गायब था। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर यश खटीक को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने बताया कि दोनों ने ब्लाइंड श्रेणी में प्रतियोगिता में साथ में हिस्सा लिया था। चिराग 100 व 400 मीटर दौड़ में हिस्सा लेते थे। दस्तावेज सत्यापन के दौरान चिराग ने एक बार यश की शिकायत कर दी थी। तब यश का क्वालिफिकेशन रद्द कर दिया गया था। इसका बदला लेने के लिए उसने इस वारदात को अंजाम दिया।

टीएमसी सांसद अभिषेक पर हमले के चार आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले में पुलिस ने रविवार को 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इलाके से जुटाए गए वीडियो फुटेज के आधार पर रातभर छापेमारी कर आरोपियों को पकड़ा गया। उधर ममता बनर्जी ने भतीजे अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले को साजिश बताया। ममता ने कहा- अभिषेक ने अगर हेलमेट नहीं पहना होता तो उनकी मौके पर जान जा सकती थी।

शुजालपुर को आज सीएम राइज स्कूल सहित 350 करोड़ के कार्यों की सौगात

शुजालपुर. एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 350 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि पूजन करने आज यहां पहुंचे हैं। इससे पहले लगभग एक घंटे के रोड शो और सीएम राइज स्कूल में जनसभा का भी कार्यक्रम है। इस दौरान शुजालपुर को रिंग रोड, रेलवे ओवरब्रिज और दो नई नगर पंचायतों के गठन सहित कई बड़ी सौगातें मिलने की संभावना है। आमसभा के दौरान शुजालपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए कई विकास कार्यों की घोषणाएं भी की जाएंगी। इनमें बोलाई और सुंदरगढ़ को नगर पंचायत का दर्जा देने, शुजालपुर में इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना, अकोदिया और गुलाना में बायपास निर्माण सहित अन्य सड़क और शैक्षणिक परियोजनाएं शामिल हैं। जिन कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा उनमें सीएम राइज स्कूल शुजालपुर, अकोदिया, पोचानैर और सुंदरसी के भवन शामिल हैं। इसके अलावा उपस्वास्थ्य केंद्र, पंचायत भवन और कई ग्रामीण सड़क परियोजनाओं का भी लोकार्पण होगा। भूमिपूजन के तहत शुजालपुर रेलवे ओवरब्रिज, आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, अस्पताल, जनपद पंचायत भवन और आयुष चिकित्सालय सहित कुल 15 कार्य शामिल हैं।

सरकारों की इच्छाशक्ति पर भारी तंबाकू उद्योग की आर्थिक ताकत

विश्व तंबाकू निषेध दिवस

दुनिया भर की सरकारें तंबाकू नियंत्रण में अपनी उपलब्धियों का बखान करने में व्यस्त हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कहीं अधिक चिंताजनक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार आज दुनिया की 70 प्रतिशत से अधिक आबादी किसी न किसी तंबाकू नियंत्रण नीति के दायरे में है। विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगे हैं, पैकेटों पर डरावनी तस्वीरें छप रही हैं और सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान रोकने के लिए कानून बनाए गए हैं। इसके बावजूद करोड़ों लोग निकोटिन की गिरफ्त में हैं। सवाल यह है कि आखिर गलती कहां हो रही है?

अनिल शर्मा

असलियत यह है कि सरकारें अभी भी बीते दौर की लड़ाई लड़ रही हैं, जबकि तंबाकू उद्योग युद्ध का मैदान बन चुका है। सिगरेट के खिलाफ बने कानूनों को दरकिनार करते हुए उद्योग ने ई-सिगरेट, वेप, निकोटिन पाउच और सिंथेटिक निकोटिन जैसे नए हथियार बाजार में उतार दिए हैं। नतीजा यह है कि जहां कई देशों में पारंपरिक धूम्रपान घट रहा है, वहीं किशोरों और युवाओं में निकोटिन की नई लत तेजी से फैल रही है। सबसे बड़ी विफलता कानून बनाने और उन्हें लागू करने के बीच की खाई है। कई देशों ने कड़े नियम तो बना लिए, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन नहीं कर पाए। तंबाकू उद्योग की आर्थिक ताकत और राजनीतिक पहुंच अक्सर सरकारों की इच्छाशक्ति पर भारी पड़ जाती है। यही कारण है कि स्वास्थ्य मंत्रालयों की चेतावनियों के बावजूद तंबाकू कंपनियां नए-नए उत्पादों के जरिए बाजार में पकड़ मजबूत बनाए हुए हैं। दूसरी बड़ी विफलता कर नीति है। विशेषज्ञ वर्षों से कहते आ रहे हैं कि तंबाकू पर भारी कर लगाना खपत कम करने का सबसे प्रभावी तरीका है। बावजूद अधिकांश देशों में कर दरें इतनी कम हैं कि उत्पाद आसानी से सुलभ बने रहते हैं। सरकारें एक तरफ स्वास्थ्य पर पड़ने वाले बोझ की शिकायत करती हैं और दूसरी तरफ तंबाकू से मिलने वाले राजस्व के मोह से बाहर नहीं निकल पातीं। स्थिति और गंभीर इसलिए है क्योंकि अब निशाने पर बच्चे और किशोर हैं। सोशल मीडिया, इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग व आकर्षक फ्लेवर वाले उत्पाद निकोटीन को फैशन के रूप में पेश कर रहे हैं। यह आने वाली पीढ़ी को नशे की गिरफ्त में धकेलने की सुनियोजित प्रक्रिया है। यदि सरकारें अभी भी इसे केवल व्यक्तिगत पसंद का मामला मानती हैं, तो वे एक बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट को आमंत्रित कर रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारत सरकार के विभिन्न अध्ययनों के अनुसार देश में हर वर्ष लगभग 13 लाख लोगों की मौत तम्बाकू जनित बीमारियों से होती है। भारत में लगभग 26-27 करोड़ लोग किसी न किसी रूप में तम्बाकू का सेवन करते हैं।

व्यापक निकोटिन नियंत्रण नीति की जरूरत

दुनिया को अब केवल तंबाकू नियंत्रण नहीं, बल्कि व्यापक निकोटिन नियंत्रण नीति की जरूरत है। ई-सिगरेट से लेकर सिंथेटिक निकोटीन तक सभी उत्पादों को समान कानूनी दायरे में लाना होगा। तंबाकू कर से प्राप्त धन को नशा मुक्ति सेवाओं और जनजागरूकता अभियानों में लगाना होगा। साथ ही डिजिटल प्लेटफॉर्म को भी जवाबदेह बनाना होगा, ताकि वे छिपे हुए प्रचार और निकोटिन उत्पादों के महिमामंडन का माध्यम न बन सकें। यदि सरकारें अब भी नहीं जागीं, तो आने वाले वर्षों में दुनिया धुएं से नहीं, बल्कि निकोटिन की नई और अधिक खतरनाक लत से जूझ रही होगी। तब कानूनों की मोटी फाइलें और सरकारी दावे इतिहास के पन्नों में दर्ज उपलब्धियां भर रह जाएंगे, जबकि वास्तविकता में एक पूरी पीढ़ी उनकी विफलता की कीमत चुका रही होगी।

ट्रैफिक व्यवस्था बेहाल... कई प्रमुख चौराहों के सिग्नल बंद

भोपाल। शहर के पुराने इलाके में ट्रैफिक व्यवस्था लगातार बदहाल होती जा रही है। सिंधी कॉलोनी चौराहा, बस स्टैंड चौराहा और अल्पना तिराहे पर ट्रैफिक सिग्नल लंबे समय से खराब पड़े हुए हैं, जिसके कारण रोजाना यातायात पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो रहा है। सबसे ज्यादा परेशानी सुबह और शाम के समय देखने को मिल रही है, जब हजारों वाहन इन मार्गों से गुजरते हैं। स्थानीय लोगों और वाहन चालकों का कहना है कि सिग्नल बंद होने के कारण चौराहों पर हर समय जाम जैसी स्थिति बनी रहती है। कई बार वाहन चालक अपनी मनमर्जी से वाहन निकालते हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा भी बढ़ गया है। खासकर बस स्टैंड चौराहे और अल्पना तिराहे पर स्थिति ज्यादा गंभीर बनी हुई है, जहां भारी वाहनों और यात्री बसों का दबाव लगातार रहता है। राहगीरों का कहना है कि ट्रैफिक सिग्नल बंद होने के बावजूद यातायात पुलिस की ओर से कोई स्थायी व्यवस्था नहीं की जा रही। कई बार पुलिसकर्मी भी मौके पर नजर नहीं आते, जिससे वाहन चालकों को खुद ही रास्ता बनाकर निकलना पड़ता है। इसका असर स्कूल जाने वाले बच्चों, नौकरीपेशा लोगों और व्यापारियों पर भी पड़ रहा है। क्षेत्रीय नागरिकों ने आरोप लगाया कि नगर और यातायात व्यवस्था को स्मार्ट बनाने के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन पुराने शहर के प्रमुख चौराहों पर बुनियादी ट्रैफिक व्यवस्था तक संभाली नहीं जा रही। लोगों ने मांग की है कि जल्द से जल्द खराब पड़े ट्रैफिक सिग्नलों को सुधारा जाए और यातायात पुलिस की नियमित तैनाती की जाए, ताकि बढ़ती अव्यवस्था और संभावित हादसों पर रोक लग सके।

हवा के रुख में बदलाव के कारण हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित

मौसम खराब... जयपुर जाने वाली दो उड़ानों को भोपाल डायवर्ट किया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

देर रात राजस्थान के जयपुर में मौसम अचानक खराब होने और हवा के रुख में बदलाव के कारण हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। धूल भरे तूफ़ान, तेज़ हवाओं और बहुत कम विजिबिलिटी के कारण जयपुर हवाई अड्डे पर कुछ समय के लिए लैंडिंग करना नामुमकिन हो गया था। इन आपातकालीन हालात के बीच, इंडिगो की दो कमर्शियल फ्लाइट्स, जो उस समय आसमान में चक्कर लगा रही थीं, उन्हें भोपाल के राजा भोज हवाई अड्डे पर डायवर्ट करना पड़ा। वहां के एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने तुरंत कार्रवाई करते हुए भोपाल में उन्हें सुरक्षित और तत्काल लैंडिंग की मंजूरी दे दी।

एयरपोर्ट निदेशक रामजी अवस्थी ने बताया कि जयपुर में मौसम में अचानक आए बदलाव से इंडिगो की दो फ्लाइट्स बेंगलुरु से जयपुर जा रही फ्लाइट नंबर आईजी 641 एम और कोलकाता से जयपुर जा रही फ्लाइट नंबर 6 ई394 मुश्किल स्थिति में फंस गईं थी। जयपुर के एयर ट्रैफिक कंट्रोल से लैंडिंग की हरी झंडी न मिलने पर, दोनों पायलटों ने भोपाल से संपर्क साधा। आपात स्थिति की गंभीरता को समझते हुए, भोपाल के राजा भोज हवाई अड्डे के प्रबंधन और ऑपरेटरों ने बिना कोई समय गंवाए, दोनों विमानों को

अपने रनवे का इस्तेमाल करने की मंजूरी दे दी।

मौसम सामान्य होने पर सुरक्षित उड़ान

जैसे ही जयपुर में मौसम की स्थिति स्थिर हुई और रनवे पर विजिबिलिटी बेहतर हुई, दोनों विमानों को उनकी आगे की यात्रा के लिए तैयार कर ज़रूरी तकनीकी जांच और आवश्यक प्रशासनिक मंजूरी मिलने के बाद राजा भोज हवाई अड्डे से सुरक्षित रूप से रवाना कर जयपुर पहुंचा दी गई। इस दौरान भोपाल में करीबन एक से डेढ़ घंटे उड़ानें खड़ी रही। इस दौरान यात्रियों की अच्छी खातिरदारी कंपनी और एयरपोर्ट प्रशासन ने मिलकर की।

एयर इंडिया एक्सप्रेस शुरू करेगी दिल्ली, मुंबई व बेंगलुरू उड़ानें

भोपाल की हवाई कनेक्टिविटी जल्द और मजबूत हो सकती है। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट से दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरू के लिए उड़ान सेवाएं शुरू करने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। एयरलाइन की नेटवर्क प्लानिंग टीम ने एयरपोर्ट का दौरा कर व्यवस्थाओं और सुविधाओं का जायजा लिया। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार टीम ने विमानपत्तन निदेशक रामजी अवस्थी के साथ यात्री सुविधाओं, संचालन व्यवस्था और उपलब्ध इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर विस्तृत चर्चा की। दौरे को एयर इंडिया एक्सप्रेस की संभावित उड़ान शुरुआत की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यदि एयर इंडिया एक्सप्रेस अपनी सेवाएं शुरू करती है तो भोपाल से दिल्ली और मुंबई के लिए यात्रियों को अतिरिक्त उड़ान विकल्प मिलेंगे।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 में मप्र ने रचा इतिहास

नागरिक प्रतिक्रिया में मिला पहला स्थान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत संचालित देशव्यापी नागरिक प्रतिक्रिया (सिटीजन फीडबैक) अभियान में, वर्ष 2011 की जनगणना के मानदंडों के आधार पर, मध्यप्रदेश सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में देश में प्रथम स्थान पर रहा है। प्रदेश के 35.69 लाख से अधिक नागरिकों ने ऑनलाइन माध्यमों से स्वच्छता को लेकर प्रतिक्रिया दी।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रदेशवासियों और अथक परिश्रमी 'सफाई मित्रों' का अभिनंदन किया है। उन्होंने कहा कि नागरिकों की अटूट जागरूकता और विभागीय अमले की कर्तव्यनिष्ठता के समन्वय से ही प्रदेश स्वच्छता के उच्च शिखर पर निरंतर गतिमान है। राज्य स्तर पर स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 की टीम द्वारा इस वर्ष एक अनूठी '360 डिग्री रणनीति' का क्रियान्वयन किया गया। इस समेकित कार्ययोजना के अंतर्गत सभी नगरीय निकायों के सोशल मीडिया हैंडल्स के माध्यम से 60 लाख से अधिक जनमानस तक पहुंच स्थापित की। इसके अलावा पारंपरिक और आधुनिक संचार माध्यमों जैसे कचरा संग्रहण वाहनों, समाचार पत्रों, रेडियो, दूरदर्शन के ऑडियो-वीडियो संदेशों से समाज के हर वर्ग को इस कार्य से जोड़ा गया। डिजिटल सहभागिता को सुगम और व्यापक बनाने के उद्देश्य से राज्य स्तर से एक करोड़ से अधिक लक्षित एसएमएस भेजे गए। इसके अलावा युवाओं में उत्साह जागृत करने के उद्देश्य से सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स से भी सहयोग लिया गया।

भोपाल के 3.86 नागरिकों दिया फीडबैक

भोपाल जिला प्रशासन के अनुसार राजधानी भोपाल के नागरिकों में इस वर्ष अपूर्व उत्साह देखा गया है। जहां विगत वर्ष भोपाल में मात्र 5.13 हजार नागरिकों ने अपना फीडबैक दिया था, वहीं इस वर्ष यह आंकड़ा 3.86 लाख को पार कर गया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, स्वच्छ भारत मिशन की टीमें पूरी सक्रियता से धरातल पर कार्य कर रही हैं जिससे इस गति को और अधिक तीव्र किया जा सके और प्रदेश स्वच्छता के पायदान पर शीर्ष पर बना रहे। विभाग की ओर से प्रदेशभर के नागरिकों से स्वच्छता के लिए सहभागिता का आह्वान किया गया है। साथ ही नागरिक केन्द्रीय मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर अथवा निर्धारित क्यूआर कोड को स्कैन कर अपना ऑनलाइन फीडबैक दर्ज कराने की अपील की गई है।

हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्ष पर आयोजित विमर्श

भाषा की मर्यादा का हो रहा चीरहरण

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

वर्तमान में हिंदी पत्रकारिता के समक्ष कोई बड़ी चुनौती है तो वह भाषा की। परम्परागत पत्रकारिता की बात करें अथवा वर्तमान में डिजिटल मीडिया की, दोनों ही जगहों पर भाषा के सारे तटबंध तोड़े जा रहे हैं। भाषा की मर्यादा का चीरहरण हो रहा है। यह बात वरिष्ठ रंग निर्देशक संजय मेहता ने हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्ष पर आयोजित विमर्श में कही।

श्री मेहता ने पत्रकारिता के साथ रंगमंच एवं सिनेमा को जोड़ते हुए कहा कि हम सबकी जवाबदारी समाज है और सामाजिक सरोकार ही हमें जिंदा रखेगा। पत्रकारिता की तरह रंगमंच की बड़ी जिम्मेदारी है।
इस विमर्श को आगे बढ़ाते हुए सुप्रीमट कोर्ट की एडव्होकेट एवं जिला भाजपा उपाध्यक्ष सुश्री गुंजन चौकसे का कहना था कि 'सामाजिक सरोकार से ही पत्रकारिता होती है। एक मायने में पत्रकारिता केवल छपे शब्द नहीं बल्कि अवाम की आवाज है।' उन्होंने अदालत, मीडिया और राजनीति के संदर्भ में अनेक उदाहरण के साथ अपनी बात रखी।
इस अवसर पर प्रो. मनोज कुमार ने कहा कि- समय कितना ही बदल जाए, पत्रकारिता का मूल स्वरूप हमेशा कायम रहेगा। उन्होंने कहा कि स्वाधीनता संग्राम से भारत के नवनिर्माण में पत्रकारिता का अहम योगदान रहा है। मिशन से व्यवसाय में पत्रकारिता का परिवर्तन आपातकाल के बाद हुआ। दुर्भाग्य से पत्रकारिता को उद्योग का दर्जा देने की साजिशन माँग की जाने लगी। अंतरराष्ट्रीय मानक की अनुसंधान की पत्रिका 'समागम' के हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्ष पर केन्द्रित विशेष अंक का विमोचन किया गया। 'समागम' के इस विशेष अंक में विविध विषयों का संयोजन किया गया है।

संतूर की सुरमयी साधना ने बांधा समां, राहुल शर्मा की प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध हुए श्रोता

मानव संग्रहालय की 'पूनम-42' श्रृंखला में सजी शास्त्रीय संगीत की यादगार शाम

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के स्वर्ण जयंती वर्ष समारोह के अंतर्गत आयोजित शास्त्रीय संगीत श्रृंखला 'पूनम-42' में शनिवार की शाम सुरों और साधना के अद्भुत संगम की साक्षी बनी। प्रसिद्ध संतूर वादक पंडित राहुल शिवकुमार शर्मा ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति से श्रोताओं को भारतीय शास्त्रीय संगीत की दिव्य अनुभूति कराई। उनकी संतूर वादन की मधुर झंकार ने पूरे वातावरण को सुरमय बना दिया और उपस्थित श्रोता देर तक संगीत रस में डूबे रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ संग्रहालय के निदेशक प्रो. अमिताभ पांडे, संतूर वादक पंडित राहुल शर्मा, पंडित राम कुमार मिश्रा, पद्मश्री उमाकांत गुंडेचा, जनसंपर्क अधिकारी हेमंत बहादुर सिंह परिहार एवं आयशा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर कलाकारों का सम्मान भी किया गया। पंडित राहुल शर्मा ने राग कलावती से अपनी प्रस्तुति का आरंभ किया और इसके बाद रूपक तथा तीनताल में संतूर वादन की उत्कृष्ट प्रस्तुति दी। उनकी प्रस्तुति में शास्त्रीय संगीत की गहराई, भाव और आध्यात्मिकता का सुंदर समन्वय देखने को मिला। विशेष बात यह रही कि 'पूनम' श्रृंखला का शुभारंभ वर्ष 1992 में संतूर सम्राट पद्मविभूषण पंडित शिवकुमार शर्मा की प्रस्तुति से हुआ था।

बाल अभिव्यक्ति शिविर का समापन, प्रतिभागी पुरस्कृत

विद्या कामधेनु के समान, हर मौसम में देती है अमृत : सिद्धभाऊ

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

'विद्या एक कामधेनु के समान है जो हर मौसम में अमृत प्रदान करती है। वह विदेश में एक माता के समान है जो रक्षण एवं हितकारी होती है। इसलिए विद्या को एक गुप्त धन कहा गया है। जैसे सूरज फूलों को रंग देता है, वैसे ही सीखी हुई कला जीवन को रंग देती है। '

यह विचार संत सिद्धभाऊजी ने व्यक्त किए। वे साधु वासवानी स्कूल में एक महीने से चल रहे ग्रीष्मकालीन 'अभिव्यक्ति शिविर' के समापन मौके पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि साधु वासवानी स्कूल का समर कैंप प्रतिवर्ष नयापन लिए होता है और यह सबसे सफल व अनुशासित शिविर रहा। भाऊजी ने बच्चों से कहा कि छुट्टियां समाप्त होने के बाद भी सीखने की प्रक्रिया को जारी रखें। जो बच्चे छुट्टियों में टीवी, मोबाइल और सोने में समय गंवाते हैं, उनके विपरीत आप सभी ने अपनी प्रतिभा को निखारा है।

रिटायर्ड कर्नल नारायण पारवानी ने कहा कि विद्यार्थियों को सीखी हुई कला का अभ्यास जारी रखना चाहिए, क्योंकि अभ्यास ही निपुणता देता है। संस्था के हीरो ज्ञानचंदानी ने कहा कि बच्चों को पढ़ाई के साथ हुनर आना जीवनभर काम आता है। महेश दयारामानी ने बताया कि अन्य कलाओं में पारंगत होने से आत्म विश्वास बढ़ता है और यह भविष्य में आय का साधन भी बन सकती है। आइलदास साधवानी ने कहा कि कॉर्पोरेट युग में स्किल्ड व्यक्ति की ही मांग है। कन्हैयालाल रामनानी ने बताया कि सिद्धभाऊ जी के मार्गदर्शन में 21 वर्षों से इस शिविर का आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए किया जा रहा है।

रंगारंग प्रस्तुतियां: शिविर के सभी शिक्षकों को सिद्ध भाऊ जी द्वारा नकद राशि से सम्मानित किया गया और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। मंच पर बच्चों ने म्यूजिक, 'सेव ट्री' व सोशल मीडिया के नुकसान पर स्किट, और 'नन्हा-मुन्ना राही' व सिंधी झूलेलाल नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट दिए गए।

अनुभव बताए: शिविर में शामिल छात्र मानव राजपूत ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि पहले वह सोचते थे कि कुकिंग केवल लड़कियों के लिए है, लेकिन अब उन्हें लगता है कि यह कला सबको आनी चाहिए ताकि बाहर रहने पर भोजन के लिए किसी पर निर्भर न रहना पड़े।

मेट्रो एंकर

देशभर के कलाकारों ने चित्रों में उकेरा जल, प्रकृति और संस्कृति का अनूठा संगम

कला की शैलियों के जरिए दिया जल संरक्षण का संदेश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सदानीरा समागम में देश के कलाकारों ने चित्रांकन के माध्यम से जल, प्रकृति और संस्कृति के संबंध बताए। जिससे यह विशेष चित्रांकन कार्यशाला आकर्षण का केंद्र बन गई। वीर भारत न्यास के इस कार्यक्रम में 100 से अधिक लोक, पारंपरिक और जनजातीय कलाकारों ने अपनी विशिष्ट कला शैलियों के माध्यम से जल संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन और भारतीय सांस्कृतिक विरासत का संदेश दिया। कार्यशाला में पटुआ, कलमकारी, जोगी कलम, मंजूषा, मिथिला (मधुबनी), टिकुली, वारली, पिथोरा तथा पहाड़ी चित्रकला जैसी विविध कला शैलियों के कलाकारों ने भाग

लिया। कलाकारों ने कैनवास, मटकों और छातों पर नदियों की अविरलता, जल स्रोतों के संरक्षण, प्रकृति और मानव जीवन के गहरे संबंध को साकार किया। कलाकारों का कहना था कि भारतीय लोक और जनजातीय कलाएं सदैव प्रकृति और जीवन के सामंजस्य का संदेश देती रही हैं। सदानीरा समागम के चौथे दिन कार्यक्रम में इक्वाडोर के डिप्टी चीफ ऑफ मिशन जॉर्ज विनिशियो अनरंगो, साइप्रस हाई कमिशनर की पत्नी क्लोडिया व्रयोनिदेस तथा उनकी पुत्री सिमोनी व्रयोनिदेस ने समागम में सहभागिता कर विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया। अपने संबोधन में उन्होंने वीर भारत न्यास के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि जल संकट केवल भारत की ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की गंभीर चुनौती है। इक्वाडोर में भी जल संरक्षण को लेकर विभिन्न कार्यक्रम और महोत्सव आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि सदानीरा समागम की अवधारणा और इसकी गतिविधियां बेहद प्रभावशाली हैं तथा वे इस मॉडल का अध्ययन कर अपने देश में भी इसी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने का प्रयास करेंगे। इसके पहले वीर भारत न्यास के न्यासी सचिव श्रीराम तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया। करते हुए उन्हें सदानीरा समागम का विशेष स्मृति चिह्न भेंट किया।

मध्य भारत कीनई संभावनाओं को साकार करने वाला राजमार्ग

एमपी-महाराष्ट्र के बीच बढ़ेगा सम्पर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश के तेजी से विकसित हो रहे कृषि क्षेत्र और मध्य भारत के केले के प्रमुख केन्द्र खंडवा और बुरहानपुर में प्रतिवर्ष 1.7 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक केले का उत्पादन होता है। यहां से प्रतिदिन 140 भारी-भरकम ट्रक घरेलू बाजारों और अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों तक केले पहुंचाते हैं। वर्षों से इन ट्रकों को संकरी और जर्जर सड़कों से होकर गुजरना पड़ता था। इससे आवागमन धीमा हो जाता था, यात्रा का समय बढ़ जाता था और परिवहन एक कठिन कार्य बन जाता था। लेकिन महत्वाकांक्षी भारतमाला परियोजना के तहत एनएच-753एल के बोरगांव से शाहपुर खंड के आधुनिक चार-लेन वाले राजमार्ग गलियारे के रूप में विकसित होने से अब यह स्थिति बदलने वाली है।

खेत से बाजार तक के संपर्क को मजबूती

यह परियोजना केले, कपास, सोयाबीन और गेहूं जैसी फसलों के लिए प्रसिद्ध कृषि प्रधान क्षेत्रों से होकर गुजरती है। स्थानीय किसानों और ट्रांसपोर्टरों के लिए, इन बेहतर सड़कों का सीधा लाभ यह होगा कि उनकी बाजार तक तेजी से पहुंच संभव होगी और परिवहन लागत में कमी आएगी। इस क्षेत्र के गांवों के लिए, यह राजमार्ग पहले से ही दैनिक जीवन में एक बड़ा सुधार साबित हो रहा है। बुरहानपुर जिले की झीरी पंचायत की सरपंच आशा कैथवास बताती हैं कि पुरानी सड़क की खराब हालत के कारण परिवहन कितना कठिन हो गया था। उनके अनुसार, क्षतिग्रस्त सतहों और गड्ढों के कारण भारी वाहनों की आवाजाही पहले बेहद चुनौतीपूर्ण थी। नए राजमार्ग के बनने से ट्रकों की आवाजाही काफी सुगम हो गई है। इससे किसानों और ट्रांसपोर्टरों, दोनों को कृषि उपज को अधिक कुशलता से ले जाने में मदद मिल रही है।

मध्यप्रदेश में नर्मदा की धार मोड़कर रेत की लूट

24 घंटे चल रही मशीनें, रोज 100-150 डंपर अवैध रेत ढो रहे, एक की कीमत 50 हजार तक

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में नर्मदा और उसकी सहायक नदियों में बड़े पैमाने पर अवैध रेत खनन जारी है। जबलपुर, नरसिंहपुर और कटनी जैसे जिलों में रेत माफिया खुलेआम नदियों से रेत निकाल रहे हैं। कई स्थानों पर 24 घंटे हाईफाई मशीनें, पोकलेन, जेसीबी और नावों के जरिए खनन किया जा रहा है। यह स्थिति तब है, जब सुप्रीम कोर्ट ने चंबल क्षेत्र में अवैध रेत खनन को लेकर मध्य प्रदेश सहित तीन राज्यों को फटकार लगाई है। टीम ने जबलपुर-नरसिंहपुर सीमा से लगे घाटों का दौरा किया। यहां नर्मदा नदी के भीतर तक रैंप बने मिले, जहां जेसीबी मशीनों से हाइवा (डंपर) में रेत भरी जा रही थी। स्थानीय लोगों के मुताबिक, एक हाइवा रेत 30 से 50 हजार रुपए तक में बेची जा रही है।

जबलपुर जिले के बेलखेड़ा क्षेत्र के हीरापुर-अमोदा गांव स्थित नर्मदा घाट पर हाईफाई डिवाइस (पनडुब्बी) के जरिये रेत निकाली जा रही है। यहां नदी किनारे रेत जमा कर हाइवा में भरकर जबलपुर सहित आसपास के जिलों में सप्लाई की जाती है। नादिया घाट से शुरू होकर यह नेटवर्क मालकछार, बेलखेड़ी, पावला घाट होते हुए नरसिंहपुर सीमा तक फैला है। स्थानीय स्तर पर बताया गया कि माफिया ने नदी की धार मोड़कर बीच में रैंप तैयार कर लिए हैं, जहां भारी वाहन सीधे नदी के भीतर तक पहुंच रहे हैं।

कॉलोनियों और गांवों से चल रहा नेटवर्क

मीडिया की टीम जब अमोदा घाट पहुंची तो वहां कई किलोमीटर तक फैला अस्थायी रैंप दिखाई दिया। मौके पर बड़ी मशीनों से लगातार रेत निकाली जा रही थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह काम लंबे समय से चल रहा है और संबंधित विभागों को इसकी जानकारी भी है। कटनी जिले के विजयराघवगढ़ क्षेत्र में महानदी से भी बड़े पैमाने पर अवैध रेत खनन किया जा रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, प्रतिदिन 100 से 150 डंपर अवैध रेत का परिवहन हो रहा है। कुछ समय पहले प्रशासन ने महानदी की रेत खदानों को सरेंडर करने के आदेश दिए थे। इसके बाद ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर कार्रवाई करते हुए सैकड़ों वाहन जब्त किए गए। इसके बावजूद बड़े वाहन लगातार रेत ढोते दिखाई दे रहे हैं।

अधिकारी बोले- केवल एक स्थान पर रेत भंडारण की अनुमति

खनिज विभाग के अधिकारियों के मानें तो जबलपुर जिले में केवल एक स्थान पर ही रेत भंडारण करने की अनुमति दी गई है। इसके अलावा जहां भी रेत इकट्ठा की जा रही है, वहां अवैध तरीके से भंडारण किया गया है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि कालीघाट, तिलवाराघाट, बरगी, अमोद, हीरापुर के आसपास आखिर कैसे रेत के ढेर लगे हुए हैं और खनिज विभाग के अधिकारियों को इसकी जरा भी जानकारी नहीं है। यह पूरी तरह समझ से परे है।

चंबल सैंक्चुरी में अवैध रेत खनन पर कोर्ट ने लगाई थी फटकार

26 मई को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल चंबल सैंक्चुरी में हो रहे अवैध रेत खनन और माफिया के बढ़ते हमलों पर मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश सरकारों को फटकार लगाई थी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ ने कहा था कि केवल एफआईआर दर्ज करना या छोटे वाहन चालकों पर कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं है। कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि अवैध खनन के असली मास्टरमाइंड, फाइनेंसर और नेटवर्क संचालकों तक पहुंचना जरूरी है।

हेल्थ डायनेमिक्स ऑफ इंडिया 2023-24 की रिपोर्ट

मप्र हेल्थ इंफ्रा जुटाने में टॉप पांच राज्यों में, पर विशेषज्ञों के 91 फीसदी पद हैं खाली

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र ने पिछले वर्षों में स्वास्थ्य ढांचे का तेजी से विस्तार किया है। गांव-गांव तक उपस्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) तो पहुंच गए, लेकिन इन संस्थानों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की भारी कमी है। यानी कहें तो यहां डॉक्टर जाने का तैयार रहीं हैं। इसका असर ग्रामीण-आदिवासी क्षेत्रों के मरीजों पर पड़ रहा है। लोगों को जटिल प्रसव, नवजात उपचार जैसी बीमारियों के लिए जिला अस्पतालों या मेडिकल कॉलेजों का रुख करना पड़ता है। केंद्र सरकार की हालिया हेल्थ डायनेमिक्स ऑफ इंडिया 2023-24 रिपोर्ट के अनुसार -स्वास्थ्य संस्थानों के नेटवर्क के मामले में मप्र देश के शीर्ष पांच राज्यों में शामिल है।

प्रदेश में 10,256 उपस्वास्थ्य केंद्र, 1,442 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 327 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित हैं। उपस्वास्थ्य केंद्रों की संख्या के आधार पर बिहार और राजस्थान के बाद मप्र तीसरे स्थान पर है। कई गांव जिला अस्पतालों से 100 से 200 किलोमीटर दूर हैं। ऐसे क्षेत्रों में सीएचसी ही मरीजों के लिए अंतिम स्वास्थ्य केंद्र होते हैं, लेकिन विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं होने से मरीजों को रेफर करना मजबूरी बन जाता है। इससे इलाज में देरी, आर्थिक बोझ और बड़े अस्पतालों पर दबाव बढ़ रहा है। कई मामलों में समय पर उपचार नहीं मिलने से मरीजों की जान भी जोखिम में पड़ जाती है।

कमी क्यों- शहरों और निजी अस्पतालों की ओर बढ़ा रुख

- एमडी-एमएस डिग्रीधारी डॉक्टर भोपाल, इंदौर, जबलपुर जैसे शहरों या निजी अस्पतालों में काम करना पसंद करते हैं।
- निजी क्षेत्र में बेहतर वेतन, सुविधाएं और करियर अवसर उन्हें आकर्षित करते हैं।
- दूरस्थ-आदिवासी क्षेत्रों के सीएचसी में ब्लड बैंक, एनेस्थेटिस्ट, प्रशिक्षित स्टाफ और आधुनिक उपकरणों की कमी रहती है।
- भर्ती प्रक्रियाओं में देरी, पदोन्नति विवाद और पर्याप्त प्रोत्साहन का अभाव से समस्या बढ़ी।

राज्यसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में टेंशन

प्रदेश के दिग्गजों को दिल्ली बुलाकर अल्टीमेटम- 'एक भी विधायक नहीं बिकना चाहिए'

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में आगामी राज्यसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस संगठन में हलचल तेज हो गई है। पार्टी नेतृत्व इस बार किसी भी तरह का जोखिम लेने के मूड में नहीं दिख रहा है। पिछले कुछ राज्यों में राज्यसभा चुनाव के दौरान हुई क्रॉस वोटिंग और राजनीतिक नुकसान से सबक लेते हुए कांग्रेस हाईकमान ने मध्य प्रदेश के नेताओं पर विशेष नजर रखना शुरू कर दिया है। पार्टी की कोशिश है कि तीसरी सीट पर किसी भी तरह की सेंधमारी न हो और सभी विधायक एकजुट रहें।

इसी रणनीति के तहत कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव को अचानक दिल्ली तलब किया गया है। बताया जा रहा है कि वे पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर प्रदेश के राजनीतिक हालात और विधायकों की स्थिति पर चर्चा करेंगे। इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार भी दिल्ली जाकर हाईकमान से मुलाकात कर चुके हैं।

सूत्रों के अनुसार, उमंग सिंघार को दो बार दिल्ली बुलाया गया, जहां उनसे विधायकों की एकजुटता और चुनावी तैयारियों को लेकर विस्तृत जानकारी ली गई। इससे साफ है कि कांग्रेस नेतृत्व चुनाव को लेकर बेहद गंभीर है।

नेताओं को साफ संदेश - सीट हर हाल में बचनी चाहिए- पार्टी सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस नेतृत्व ने प्रदेश के सभी बड़े नेताओं को स्पष्ट संदेश दे दिया है कि राज्यसभा की सीट किसी भी कीमत पर नहीं गंवानी है। हाईकमान ने नेताओं से कहा है कि चुनाव के दौरान पार्टी के एक-एक विधायक को साथ रखना उनकी जिम्मेदारी होगी। नेतृत्व का रुख काफी सख्त बताया जा रहा है। पार्टी के भीतर यह भी संकेत दिए गए हैं कि यदि किसी स्तर पर अनुशासनहीनता या क्रॉस वोटिंग जैसी स्थिति सामने आती है तो संबंधित नेताओं की जवाबदेही तय की जाएगी।

अन्य राज्यों के अनुभवों ने बढ़ाई चिंता

कांग्रेस की बढ़ी हुई सक्रयता के पीछे हाल ही में अन्य राज्यों में मिले राजनीतिक झटके भी हैं। बिहार, हरियाणा और ओडिशा में राज्यसभा चुनाव के दौरान क्रॉस वोटिंग के कारण पार्टी को नुकसान उठाना पड़ा था। इन घटनाओं ने कांग्रेस नेतृत्व को सतर्क कर दिया है। यही वजह है कि मध्य प्रदेश में पार्टी ने विशेष निगरानी तंत्र सक्रय कर दिया है। विधायकों के संपर्क, गतिविधियों और राजनीतिक रुझानों पर लगातार नजर रखी जा रही है ताकि चुनाव के समय किसी प्रकार की अप्रत्याशित स्थिति पैदा न हो।

चुनाव परिणाम पर टिकी राजनीतिक प्रतिष्ठा

राज्यसभा चुनाव अब कांग्रेस के लिए सिर्फ एक सीट का मामला नहीं रह गया है, बल्कि यह संगठनात्मक एकजुटता और नेतृत्व की पकड़ की भी परीक्षा माना जा रहा है। ऐसे में सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या कांग्रेस अपने विधायकों को पूरी तरह एकजुट रखकर राज्यसभा की सीट सुरक्षित बचाने में सफल हो पाएगी।

टीचरों के लिए खुशखबरी, शिक्षकों का ग्रीष्मावकाश सात जून तक बढ़ाया

भोपाल। प्रदेश के सरकारी स्कूलों के शिक्षकों का ग्रीष्मावकाश सात जून तक बढ़ा दिया गया है। अभी यह 30 मई तक था। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने आदेश जारी कर दिए हैं। जारी आदेश में कहा गया है कि प्रदेश के कई जिलों में 45 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान दर्ज किया जा रहा है। शासन ने अत्यधिक गर्मी और हीट वेव की स्थिति को देखते हुए शिक्षकों की विद्यालय में उपस्थिति की तिथि एक जून से बढ़ाकर आठ जून कर दी है। वहीं मध्य प्रदेश में नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत 16 जून से होगी। इसी दिन से स्कूल चले हम अभियान का दूसरा चरण भी प्रारंभ होगा, जो 30 जून तक संचालित किया जाएगा। जारी निर्देशों के अनुसार अभियान का मुख्य उद्देश्य शत-प्रतिशत प्रवेश सुनिश्चित करना, विद्यालय छोड़ चुके बच्चों की पहचान कर उन्हें पुनः शिक्षा से जोड़ना और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है।

अवैध खेतों में बिजली कंपनी कनेक्शन दे रही

मुरैना, दोपहर मेट्रो

बीहड़ों को समतलन करने के लिए सरकार कभी बीहड़ समतलीकरण योजना लाई, जो बुरी तरह फेल हुई। लेकिन इन बीहड़ों को प्रभावशाली और दबंग प्रवृत्ति के लोगों ने समतल करके दिखा दिया है। मुरैना से लेकर श्योपुर जिले तक हजारों हेक्टेयर बीहड़ समतल होकर उन खेतों में बारिश के सीजन में खेती होती है। मुरैना में चंबल, क्वारी व आसन नदी किनारे बीहड़ों के बीच बने खेतों में सरसों की फसल हो रही है। इन अवैध जमीनों पर बिजली कंपनी बोर व कुओं के लिए बिजली के कनेक्शन दे रही है।

चंबल व क्वारी नदी के बीहड़ों में दबंग और भू माफिया तेजी से पांव पसार रहे हैं। बीहड़ों को जोतकर उनमें खेत बनाए जा रहे हैं। अंबाह के बीलपुर, कुथियाना, लखुआ, किसरौली, मुरैना के नदुआपुरा, भानपुर, बरवासिन, केंथरी, कैमारा, जौरा-बागचीन के सावदा, भराना, देवगढ़, खाण्डोली, बटेश्वरा आदि गांवों में बीहड़ समतल करके खेत हो गए हैं, जिनमें सरसों, गेहूं आदि की फसलें हो रही हैं। हर साल यह अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है। उधर श्योपुर जिले में वीरपुर से लेकर ढोढर, रघुनाथपुर, सामरसा तक बीहड़ों में अतिक्रमण हो गया है। सरकार ने साल 2016 में 1.62 लाख हेक्टेयर बीहड़ों को समतल कर खेती लायक जमीन बनाने के लिए बीहड़ भूमि उपचार योजना बनाई, जिसका बजट 1100 से बढ़कर 1600 करोड़ तक पहुंचा, लेकिन बीहड़ समतल नहीं हो सके। शहरी क्षेत्र में किसी अवैध कालोनी में बिजली कंपनी कनेक्शन नहीं देती, लेकिन बीहड़ों में सरकारी जमीन पर बने खेतों में बिजली कंपनी न सिर्फ बिजली नेटवर्क खड़ा कर रही है, बल्कि दबंग-भूमाफियाओं को बिजली कनेक्शन भी दे रही है।

मूकदर्शक बना रहा प्रशासन, बारिश में होती है फसल

1600 करोड़ में जो बीहड़ सरकार समतल नहीं कर सकी, वो दबंगों ने कर दिखाया

बीहड़ों में बनने वाला बीज फार्म हाउस भी फेल

बीहड़ों को समतल करके उनमें उन्नत किस्म में तिलहनी बीजों की खेती करने के लिए राष्ट्रीय बीज निगम (एनएससी) द्वारा 100 करोड़ रुपये खर्च कर बीज फार्म हाउस विकसित करने की योजना पांच साल पहले स्वीकृत हुई। लेकिन बीहड़ों को समतल करने का खर्चा इतना मोटा रहा, कि यह प्रोजेक्ट की खटाई में चला गया है। बीज फार्म हाउस के लिए 1105 हेक्टेयर बीहड़ एनएससी को आवंटित किए गए है। एनएससी ने 2023 में बीहड़ों को समतल करने का काम शुरू किया।

मेट्रो एंकर | **गुना में बिजली कटौती पर भड़के भाजपा विधायक**

ऊर्जा मंत्री को बताया नाकारा, प्रभारी मंत्री पर भी साधा निशाना

गुना, दोपहर मेट्रो

शहर से गांवों तक हो रही बेतहाशा बिजली कटौती से नाराज क्षेत्रीय विधायक पन्नालाल शाक्य ने शनिवार को अपनी ही सरकार के दो मंत्रियों सिंधिया समर्थक को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर को नाकारा बताते हुए हटाने की बात कही। वहीं गुना जिले के प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत को 'महाराजा' ज्योतिरादित्य सिंधिया से बड़ा समझने वाला मंत्री कह दिया।

दरअसल, क्षेत्र में जारी घोषित-अघोषित कटौती से पीड़ित लोगों के साथ भाजपा के गुना सीट से विधायक शाक्य बिजली कंपनी के कार्यालय पहुंचे थे। यहां उन्होंने अधिकारियों का घेराव कर जमकर खरी-खोटी सुनाई। उन्होंने बिजली कंपनी के महाप्रबंधक अशोक शर्मा को साफ शब्दों में हिदायत दी कि वे अपने लापरवाह और सुस्त अधीनस्थ अधिकारी-कर्मचारियों के नट-बोल्ट टाइट कर दें अन्यथा परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें। खास बात यह कि इस विरोध प्रदर्शन के दौरान विधायक शाक्य के निशाने पर सिर्फ बिजली कंपनी के अधिकारी ही नहीं, बल्कि क्षेत्रीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनके समर्थक प्रदेश के दो मंत्री भी रहे, जिन्हें उन्होंने आड़े हाथों लिया। यूं तो विधायक शाक्य अपने बयानों और तीखी टिप्पणियों को लेकर हमेशा चर्चा में रहते हैं, लेकिन शनिवार को बिजली कंपनी के दफ्तर में उन्होंने अपनी ही प्रदेश सरकार में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर पर तीखा कटाक्ष करते हुए जमकर भड़ास निकाली। शाक्य ने कहा कि हम चाहते हैं जनसेवक ऐसा हो, जो प्रमाणिकता के साथ काम करे। यदि मुख्यमंत्री को बदनाम करने की कोशिश करेगा, तो वे जल्द ही भोपाल जाकर मुख्यमंत्री से निवेदन करेंगे कि ऐसे नाकारा मंत्रियों को हटाओ। शाक्य का गुस्सा यहीं नहीं थमा, उन्होंने प्रदेश के खाद्य नागरिक आपूर्ति व गुना जिले के प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत को लपेटे में लिया। उन्होंने कहा कि जिले के प्रभारी मंत्री हैं, वे स्वयं को 'महाराजा' से बड़ा समझते हैं। इस दौरान विधायक ने एक किस्सा भी सुनाया कि पिछले दिनों हवाईपट्टी पर एक कार्यक्रम के दौरान प्रभारी मंत्री राजपूत ने मुझे चलो हटो कहकर एक किनारे धकेल दिया।

ग्वालियर में अंधेरा रहे या उजाला, हमें तो सिर्फ गुना से मतलब

इस वार्तालाप के दौरान कंपनी के आला अधिकारी अपनी नाकामी छिपाने विधायक के समक्ष सफाई देने लगे कि बिजली संकट सिर्फ गुना में ही नहीं, बल्कि ग्वालियर सहित प्रदेश के अन्य संभागों में भी यही स्थिति है। इस पर विधायक पन्नालाल फिर गुस्से में आ गए। उन्होंने केंद्रीय मंत्री सिंधिया पर राजनीतिक कटाक्ष करते हुए अधिकारियों को लताड़ दिया। उन्होंने कहा कि हमें ग्वालियर या किसी अन्य जिले से कोई लेनादेना नहीं है। ग्वालियर सिंधिया का क्षेत्र है, वहां चाहे पूरी तरह अंधेरा रहे, उजाला रहे या फिर सड़कों पर बड़ी हैलोजन लाइट जलें, इससे हमें कोई मतलब नहीं है। हम गुना के जनप्रतिनिधि हैं और गुना की जनता ने हमें अपना प्रतिनिधि चुनकर भेजा है।

संडे लाइफ

भोपाल, रविवार, 31 मई 2026

मैजिक ऑफ़ योगा

बालों को नई जान देने के लिए योगासन भी कारगर

तनाव, खराब जीवनशैली और हार्मोनल असंतुलन के कारण बढ़ रही बाल झड़ने की समस्या बढ़ रही है। विशेषज्ञों के अनुसार कुछ विशेष योगासन रक्त संचार बढ़ाकर, हार्मोन संतुलित कर और तनाव कम करके बालों को स्वस्थ बनाने में मदद कर सकते हैं।

आज के दौर में बालों का झड़ना केवल बढ़ती उम्र की समस्या नहीं रह गया है। युवाओं से लेकर किशोरों तक बड़ी संख्या में लोग हेयर फॉल, समय से पहले सफेद होते बाल और पतले होते बालों की परेशानी झेल रहे हैं। देर रात तक जागना, तनावपूर्ण जीवन, अनियमित खानपान, प्रदूषण और शारीरिक गतिविधियों की कमी इसके प्रमुख कारण माने जाते हैं। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि सही जीवनशैली और नियमित योगाभ्यास के जरिए इस समस्या पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है।

योग विशेषज्ञों का कहना है कि योग केवल शरीर को लचीला बनाने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह शरीर के रक्त संचार, नर्वस सिस्टम और हार्मोनल संतुलन को भी बेहतर बनाता है। जब सिर और स्कैल्प तक पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन और पोषक तत्व पहुंचते हैं, तो बालों की जड़ें मजबूत होती हैं और बालों का झड़ना कम होने लगता है।

कम होगा हेयर फॉल, बढ़ेगी जड़ों की मजबूती

सुवर्ण धनुर साधना

यह योगाभ्यास रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाकर पूरे शरीर में ऊर्जा और रक्त प्रवाह को संतुलित करता है। इसमें अधोमुख और उर्ध्वमुख मुद्रा को बारी-बारी से किया जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार इसका नियमित अभ्यास सुबह और शाम किया जा सकता है। **सुवर्ण धनुर साधना** से सिर और स्कैल्प तक रक्त संचार बेहतर होता है। बालों की जड़ों तक ऑक्सीजन और पोषण अधिक मात्रा में पहुंचता है। तनाव और मानसिक थकान कम होती है। रीढ़ की हड्डी मजबूत और लचीली बनती है। हार्मोन संतुलन में मदद मिलती है। पूरे शरीर में ऊर्जा का प्रवाह बेहतर होता है।

अधोमुख श्वानासन

इस आसन में शरीर उल्टे 'वी' आकार की स्थिति में रहता है। सिर हृदय के स्तर से नीचे होने के कारण मस्तिष्क और स्कैल्प तक रक्त का प्रवाह बढ़ जाता है।

अधोमुख श्वानासन से बालों की जड़ों को बेहतर पोषण मिलता है। स्कैल्प में रक्त संचार बढ़ता है। रूसी और खुश्की की समस्या कम करने में मदद मिलती है। मानसिक तनाव और चिंता में राहत मिलती है। गर्दन और कंधों की जकड़न कम होती है। लंबे समय तक बैठकर काम करने वालों के लिए लाभकारी है।

सर्वांगासन

यह आसन शरीर की अंतःस्रावी ग्रंथियों पर सकारात्मक प्रभाव डालता है और हार्मोन संतुलन में सहायक माना जाता है।

सर्वांगासन से
थायरॉयड ग्रंथि की कार्यक्षमता बेहतर होती है।
हार्मोनल असंतुलन से होने वाले हेयर फॉल में राहत मिल सकती है।
स्कैल्प तक रक्त और पोषण का प्रवाह बढ़ता है।
मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है।
बालों की जड़ों को मजबूती मिलती है।
शरीर में ऊर्जा और स्फूर्ति बढ़ती है।

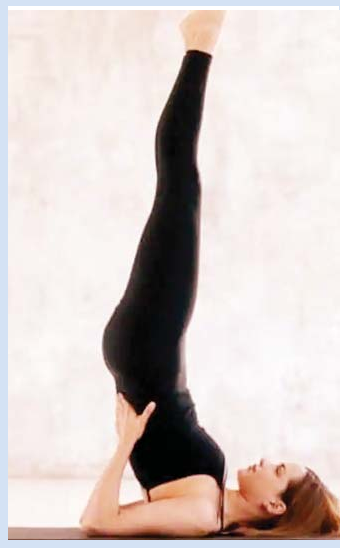

वज्रासन

वज्रासन एक ऐसा आसन है जिसे भोजन के बाद भी किया जा सकता है। यह पाचन तंत्र को मजबूत बनाकर शरीर को पोषक तत्वों का बेहतर लाभ दिलाता है।
इस आसन से पाचन क्षमता बेहतर होती है। विटामिन और खनिजों का अवशोषण बढ़ता है। बालों की जड़ों तक पर्याप्त पोषण पहुंचता है। बाल मजबूत, घने और चमकदार बनने में मदद मिलती है। मानसिक शांति और एकाग्रता बढ़ती है। संपूर्ण स्वास्थ्य को लाभ पहुंचता है।

तनाव कम होगा तो बाल भी बचेंगे

विशेषज्ञों का मानना है कि आज बाल झड़ने के प्रमुख कारणों में तनाव सबसे ऊपर है। तनाव के दौरान शरीर में कोर्टिसोल जैसे स्ट्रेस हार्मोन बढ़ जाते हैं, जो बालों के विकास चक्र को प्रभावित कर सकते हैं। योग और प्राणायाम इन हार्मोनों को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। यही कारण है कि नियमित योगाभ्यास करने वाले लोगों में तनावजनित हेयर फॉल अपेक्षाकृत कम देखा जाता है।

योग के साथ पर्याप्त नींद, पौष्टिक भोजन, भरपूर पानी और नियमित दिनचर्या भी जरूरी है। प्रोटीन, आयरन, जिंक, बायोटिन और विटामिन-डी से भरपूर आहार बालों की सेहत के लिए विशेष रूप से लाभकारी माना जाता है। नियमित योगाभ्यास, संतुलित खानपान और तनावमुक्त जीवनशैली अपनाकर न केवल बालों को मजबूत बनाया जा सकता है, बल्कि संपूर्ण स्वास्थ्य को भी बेहतर किया जा सकता है।

जीवन-ज्योति

रिश्तों में सबसे बड़ी चुनौती हैं अपेक्षाएं

सिस्टर बीके शिवानी
मोटिवेशनल स्पीकर

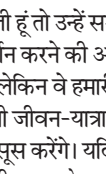

मैं अक्सर लोगों से कहती हूं कि परिवार केवल एक साथ रहने वाले लोगों का समूह नहीं है, बल्कि वह एक ऊर्जा का क्षेत्र है जहां हर विचार, हर शब्द और हर भावना का प्रभाव पड़ता है। हम सभी चाहते हैं कि हमारे घर में प्रेम, सम्मान और खुशियां बनी रहें, लेकिन कई बार हम अनजाने में ऐसी प्रतिक्रियाएं दे बैठते हैं जो रिश्तों में दूरी पैदा कर देती हैं। मेरा अनुभव है कि परिवार की अधिकांश समस्याएं परिस्थितियों से नहीं, बल्कि उन परिस्थितियों के प्रति हमारी सोच और प्रतिक्रिया से पैदा होती हैं।

मैं मानती हूं कि रिश्तों में सबसे बड़ी चुनौती अपेक्षाएं हैं। हम चाहते हैं कि हमारे पति, पत्नी, बच्चे, माता-पिता या भाई-बहन वैसा ही सोचें और व्यवहार करें जैसा हम चाहते हैं। जब ऐसा नहीं होता तो हमें दुख होता है। मैं हमेशा कहती हूं कि हर आत्मा अपने अलग संस्कारों और अनुभवों के साथ इस दुनिया में आई है। इसलिए किसी को बदलने की कोशिश करने के बजाय उसे स्वीकार करना सीखिए। जिस दिन हम लोगों को उनकी कमियों और विशेषताओं सहित स्वीकार कर लेते हैं, उसी दिन रिश्तों में तनाव कम होने लगता है। मैं यह भी मानती हूं कि प्रेम से पहले सम्मान जरूरी है। कई बार हम अपने परिवार के लोगों से बहुत प्रेम करते हैं, लेकिन बातचीत में सम्मान खो देते हैं। कठोर शब्द, व्यंग्य और लगातार आलोचना रिश्तों की नींव को कमजोर कर देते हैं। मैं हमेशा सलाह देती हूं कि घर में ऐसा वातावरण बनाइए जहां हर व्यक्ति को यह महसूस हो कि उसकी बात सुनी जा रही है और उसकी भावनाओं का सम्मान किया जा रहा है। सम्मान वह शक्ति है जो रिश्तों को लंबे समय तक जीवित रखती है। जब मैं माता-पिता से बात करती हूं तो उन्हें समझाती हूं कि बच्चों को नियंत्रित करने की नहीं, उनका मार्गदर्शन करने की आवश्यकता है। बच्चे हमारे माध्यम से इस दुनिया में आते हैं, लेकिन वे हमारी संपत्ति नहीं हैं। उनकी अपनी प्रतिभा, अपनी सोच और अपनी जीवन-यात्रा होती है। यदि हम उन पर अपनी इच्छाएं थोपेंगे तो वे दबाव महसूस करेंगे। यदि हम उन्हें प्रेम, विश्वास और सही दिशा देंगे तो वे अपनी पूरी क्षमता के साथ आगे बढ़ पाएंगे। बच्चों को डर से नहीं, बल्कि संवाद और स्नेह से जोड़ा जा सकता है।

पति-पत्नी के रिश्ते को लेकर भी मैं अक्सर कहती हूं कि संवाद किसी भी संबंध की जीवनरेखा है। जब मन में शिकायतें जमा होने लगती हैं और लोग खुलकर बात करना बंद कर देते हैं, तब दूरियां बढ़ने लगती हैं। यदि कोई बात परेशान कर रही है तो उसे प्रेमपूर्वक और शांत मन से व्यक्त कीजिए। आरोप लगाने से समस्या बढ़ती है, लेकिन समझने और समझाने से समाधान निकलता है। रिश्तों में जीतने की नहीं, जोड़ने की आवश्यकता होती है। मैं लोगों से यह भी कहती हूं कि क्षमा करना सीखिए।

मैंने अपने जीवन में यही समझा है कि रिश्तों को बदलने का सबसे प्रभावी तरीका सामने वाले को बदलना नहीं, बल्कि स्वयं को बदलना है। जब मैं अपनी प्रतिक्रिया बदलती हूं, अपने शब्द बदलती हूं, अपनी सोच बदलती हूं, तब मेरे आसपास का वातावरण भी बदलने लगता है। परिवार में सुख, शांति और प्रेम बनाए रखने का मार्ग बहुत कठिन नहीं है। स्वीकार्यता, सम्मान, संवाद, क्षमा और सकारात्मक सोच को अपने जीवन का हिस्सा बना लीजिए। तब आपका घर केवल रहने की जगह नहीं रहेगा, बल्कि वह एक ऐसी जगह बन जाएगा जहां हर व्यक्ति स्वयं को सुरक्षित, सम्मानित और प्रेमपूर्ण महसूस करेगा।

सितारों की बात

सप्ताह का राशिफल दिनांक 31 मई से 06 जून तक

पंडित विष्णु राजौरिया

मेष राशि: आगामी सप्ताह में मेष राशि के जातकों को अत्यंत व्यस्तता एवं भाग दौड़ भरी जिंदगी रहने के संकेत हैं कार्य की अधिकता होने के कारण आपको अनेक स्थानों पर अनेक कार्यों को संपन्न करना होगा प्रसन्नता की बात यह है कि आपके परिवार में मांगलिक कार्य का शुभारंभ हो सकता है।

वृषभ : राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे विगत दिनों से किया गया परिश्रम इस सप्ताह में फलीभूत होने के संकेत हैं। आप अपने कार्यों में निरंतरता रखें और कठिन परिश्रम कार्य सिद्धि का सूत्र बनेगा।

मिथुन: राशि के जातक घर परिवार के कार्यों के कारण कुछ चिंता ग्रस्त हो सकते हैं पारिवारिक जिम्मेदारियां घर में किसी बुजुर्ग के स्वास्थ्य के कारण आपको चिंता हो सकती है। व्यापार व्यवसाय में उतार चढ़ाव और कृषि के क्षेत्र में कार्य करने वाले जातकों को सामान्य कष्ट का संकेत मिल रहा है।

कर्क : राशि के जातकों को यह सप्ताह अत्यंत अनुकूल रहने के संकेत हैं युवावस्था वाले जातकों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता साथी व्यापार व्यवसाय एवं नौकरी के क्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलने के संकेत मिल रहे हैं। स्त्री जातकों को अपने कार्यों में विशेष सफलता मिलेगी।

सिंह: राशि के जातकों को यह सप्ताह कुछ कठिनाई भरा हो सकता है विशेष रूप से आप बाद विवाद से बच्चे एवं अपने निकट सहयोगियों से सामंजस्य बनाकर रखें अन्यथा आपको विवाद में पढ़ने से कष्ट हो सकता है।

कन्या : राशि के जातकों को यह सप्ताह उत्तम लाभकारी सिद्ध होगा आपके व्यापार व्यवसाय एवं कार्य क्षेत्र में निरंतर प्रगति होगी। साथी घर परिवार के लंबित कार्य संपन्न होने से परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

तुला: राशि के जातक आगामी सप्ताह में बेहतर प्रदर्शन करके अपने कार्यक्षेत्र में प्रगति करेंगे ,मान सम्मान ,प्रतिष्ठा और धन की भी प्राप्ति होगी। अपने कार्य क्षेत्र में विस्तार करने का अवसर प्राप्त होगा। अधीनस्थों का पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक: राशि के जातक आगामी सप्ताह में वृश्चिक राशि के जातक आगामी सप्ताह में आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे, निरंतर कार्य करने से आपके लंबित कार्य पूर्ण होने का संकेत मिल रहा है, जो आपके जीवन में विशेष बदलाव ला सकता है।

धनु: राशि के जातक घर परिवार में और अपने कार्य क्षेत्र में अपने संगी साथियों के साथ सामंजस्य बनाकर रखें अन्यथा आप किसी अप्रिय विवाद में पढ़ सकते हैं। अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें और बातचीत में शब्दों का चयन सावधानी पूर्वक करें ,अन्यथा विवाद से आपको आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मकर: राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे आपके कार्यों में आपकी कार्यशैली का स्पष्ट प्रभाव दिखेगा, धैर्य से काम करने की प्रवृत्ति होने के कारण आप अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल होंगे।

कुंभ: राशि के जातक आगामी सप्ताह में कुछ कठिनाई का अनुभव कर सकते हैं आपके कार्यों की उपेक्षा एवं आपके मान सम्मान में कमी करने का प्रयास किया जा सकता है जो की सफल नहीं होगा अपितु आपको संयम से काम लेने की आवश्यकता है, साथी आप अपने कार्यों में निरंतर रखें उच्च स्तर पर आपका मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा बनी रहेगी।

मीन: राशि के जातकों को यह सप्ताह विगत सप्ताह की अपेक्षा अधिक अनुकूल रहने के संकेत मिल रहे हैं आपके जीवन में बदलाव के लिए इस सप्ताह में कोई नया कार्य का शुभारंभ हो सकता है, साथी आए के साधन व्यापार व्यवसाय एवं कृषि के कार्यों में बदलाव होकर सकारात्मक लक्षण दिखाई दे रहे हैं।

दिया कबीरा रोय

गिरीश पंकज
व्यंग्यकार

मैं और मेरा सम्मान...

मैं पिछले कई वर्षों से साहित्य सेवा कर रहा हूँ। सेवा इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि साहित्य से मुझे कभी लाभ नहीं मिला। लाभ तो दूर, कई बार चाय और समोसे का बिल भी अपनी जेब से भरना पड़ा। लेकिन पिछले महीने अचानक मुझे लगा कि अब मैं एक बड़ा साहित्यकार बन चुका हूँ। इसका कारण मेरी कोई महान रचना नहीं थी, बल्कि मेरे मोबाइल पर आया एक संदेश था।

संदेश में लिखा था– 'बधाई! आपको राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय अखिल भारतीय विश्व साहित्य गौरव सम्मान के लिए चुना गया है।' मैं खुशी से उछल पड़ा। जीवन में पहली बार किसी ने मुझे बिना याद दिलाए सम्मान देने की बात की थी। मैंने तुरंत आयोजक को फोन लगाया। उधर से मधुर आवाज़ आई, 'सर, आपकी साहित्यिक सेवाओं को देखते हुए समिति ने सर्वसम्मति से आपका चयन किया है।' मैं भावुक हो गया। मुझे आश्चर्य हुआ कि जिस मोहल्ले में लोग मेरा नाम तक ठीक से नहीं जानते, वहाँ कहीं एक समिति मेरी साहित्यिक सेवाओं पर गंभीर चर्चा कर रही थी।

मैंने विनम्रता से पूछा, 'क्या मुझे कुछ करना होगा?' उन्होंने कहा, 'बस एक छोटा-सा पंजीकरण शुल्क है–पाँच हजार रुपये।' मुझे थोड़ा झटका लगा। लेकिन फिर सोचा कि सम्मान जैसी महान चीज़ के सामने पाँच हजार रुपये क्या हैं? आखिर शादी में लोग लाखों खर्च कर देते हैं और सम्मान में पाँच हजार भी न दें तो साहित्य का भविष्य कैसे बचेगा ? मैंने तुरंत पैसे भेज दिए। अगले सप्ताह मुझे समारोह में बुलाया गया। हॉल में पहुँचकर देखा कि वहाँ मेरे जैसे लगभग दो सौ साहित्यकार मौजूद थे। हर व्यक्ति के चेहरे पर वही गर्व था जो किसी पुरस्कार विजेता के चेहरे पर होना चाहिए। मैंने बगल में बैठे सज्जन से पूछा, 'आपको किस रचना के लिए सम्मान मिल रहा है?' उन्होंने कहा, 'मैंने अभी तक कुछ लिखा नहीं है, लेकिन लिखने की प्रबल संभावना है।' मैं प्रभावित हुआ। समिति की दूरदर्शिता सचमुच अद्भुत थी। कार्यक्रम शुरू हुआ। मंच पर दस लोग बैठे थे और हर व्यक्ति अपने नाम के आगे कम से कम चार विशेषण लगाए हुए था वरिष्ठ, प्रख्यात, अंतरराष्ट्रीय, विशिष्ट। मुझे लगा कि यदि विशेषणों की गिनती के आधार पर पुरस्कार दिए जाएँ तो मंच पर बैठे लोग ही सारे सम्मान जीत जाएँ।

फिर सम्मान वितरण शुरू हुआ। एक-एक कर लोगों को बुलाया गया। उन्हें एक शॉल, एक नारियल और एक प्रमाणपत्र दिया गया। प्रमाणपत्र देखकर मुझे लगा कि उसका कागज मेरे बिजली के बिल से भी पतला है, लेकिन उस पर सुनहरे अक्षरों में मेरा नाम लिखा था। अचानक वह मुझे बहुत मूल्यवान लगने लगा। जब मेरी बारी आई तो मंच संचालक ने मेरा नाम गलत पढ़ा। मैंने सुधारने की कोशिश की, लेकिन तब तक सम्मान मेरे हाथ में आ चुका था। मैंने सोचा कि नाम में क्या रखा है, सम्मान मिलना चाहिए। घर लौटते समय मैं पूरे रास्ते प्रमाणपत्र को ऐसे पकड़े रहा जैसे कोई स्वतंत्रता सेनानी तिरंगा पकड़े रहता होगा।

घर पहुँचकर मैंने प्रमाणपत्र दीवार पर टाँग दिया। पत्नी ने पूछा, 'इसके लिए कितने पैसे दिए?' मैंने खाँसते हुए कहा, 'साहित्य में पैसों की बात नहीं की जाती।' पत्नी ने फिर पूछा, 'फिर भी?' मैंने सच बता दिया। पत्नी मुस्कुराई और बोली, 'मतलब आपने पाँच हजार रुपये देकर अपने ही पैसे से अपना सम्मान खरीद लिया?' उस क्षण मुझे लगा कि साहित्यिक आलोचना का सबसे प्रखर रूप वैवाहिक संवाद ही है। अब जब भी मैं उस प्रमाणपत्र को देखता हूँ, मुझे गर्व भी होता है और हँसी भी आती है। गर्व इसलिए कि मैं सम्मानित साहित्यकार हूँ, और हँसी इसलिए कि सम्मान देने वाली संस्था अगले सप्ताह फिर संदेश भेज रही है– 'बधाई! आपको इस वर्ष के सर्वोच्च महा-महिम वैश्विक साहित्य रत्न सम्मान के लिए चुना गया है। पंजीकरण शुल्क केवल सात हजार रुपये।' मैं सोच रहा हूँ कि साहित्य की सेवा जारी रखूँ या अपने बैंक खाते की।

नॉलेज

डायनासोर की दुनिया का 'बगुला' मिला पानी में निगल जाता था मछलियां!

अर्जेंटीना के दक्षिणी पैटागोनिया इलाके में वैज्ञानिकों को बेहद दुर्लभ डायनासोर के अवशेष मिले हैं। यह नया डायनासोर करीब 70 मिलियन यानी 7 करोड़ साल पहले पृथ्वी पर राज करता था। इस डायनासोर की सबसे खास बात यह थी कि यह आज के बगुले पक्षी की तरह व्यवहार करता था। यह जमीन पर दौड़ने के बजाय पानी के किनारे रहकर मछलियों का शिकार करना ज्यादा पसंद करता था। वैज्ञानिकों ने इस नई प्रजाति का नाम 'Kank australis' रखा है। इसकी पहचान पैटागोनिया में मिले जीवाश्मों से हुई है। इन जीवाश्मों में डायनासोर के दांत, रीढ़ की हड्डी और पैर की उंगलियों की हड्डियां शामिल हैं। यह डायनासोर अपने समय के खतरनाक मांसाहारी जीवों के बीच रहकर भी पानी के जीवों को अपना शिकार बनाता था।

इस नई प्रजाति की पूरी जानकारी ब्यूनस आयर्स के 'बर्नार्डिनो रिवदाविया प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय' के जीवाश्म वैज्ञानिक डॉ. मटियास मोटा और उनकी टीम ने दी है। इस रिसर्च को 'जर्नल ऑफ वर्टीब्रेट पेलियोन्टोलॉजी' में प्रकाशित किया गया है। डॉ. मोटा के अनुसार जिस समय यह डायनासोर जीवित था, तब वहां का नजारा आज से बिल्कुल अलग था। उस दौर में पैटागोनिया में टेढ़ी-मेढ़ी नदियां, झरने और मौसमी तालाब हुआ करते थे। इस डायनासोर के जीवाश्मों के एनालिसिस से इसके जीने के अनोखे तरीके का पता चला है। कंक डायनासोर की गर्दन की कशेरुक यानी हड्डियों की बनावट बहुत खास थी। इसमें मांसपेशियों के जुड़ने और गर्दन की रक्त वाहिकाओं की सुरक्षा के लिए विशेष संरचनाएं बनी हुई थीं। ऐसी विशेषताएं आज के आधुनिक पक्षियों में देखी जाती हैं, जो अपनी गर्दन को तेजी से हिलाते हैं। बगुला पक्षी भी इसी तरह की गर्दन की मदद से पानी में शिकार करता है।

इस अनोखे डायनासोर के अवशेष अर्जेंटीना के सांताक्रूज में एल कैलाफेट शहर के पास 'ला अनीता' नाम के एक फार्म से मिले हैं। इस जगह पर साल 2018 से लगातार खुदाई का काम चल रहा है । वहां वैज्ञानिकों को प्राचीन काल के कई जानवरों और पौधों के जीवाश्म मिल चुके हैं. इस डायनासोर के पहले अवशेष भी साल 2018 में ही मिल गए थे। उस समय वे टुकड़े इतने छोटे थे कि उनसे नई प्रजाति की पहचान करना असंभव था। इसके बाद वहां कई और अभियान चलाए गए। साल 2024 में खुदाई के दौरान इस डायनासोर की गर्दन की हड्डी मिली। इसी हड्डी की मदद से वैज्ञानिक आखिरकार इसे एक नई प्रजाति के रूप में पहचान पाए।

न्यूज विंडो

विधायक की पत्नी ने की स्टांप चोरी एक जमीन की दो रजिस्ट्री कराई

कटनी। खनन कारोबार से जुड़े विजयराघवगढ़ के भाजपा विधायक संजय पाठक का परिवार अब राजस्व चोरी में फंस गया है। उनकी पत्नी जमीन की रजिस्ट्री के फर्जीवाड़े में घिर गई हैं। विधायक पाठक की पत्नी निधि पाठक ने करोड़ों की व्यावसायिक जमीन खरीदी, लेकिन कथित रूप से स्टांप और पंजीयन शुल्क बचाने के लिए दो हिस्सों में रजिस्ट्री करा ली। इस आरोप को कलेक्टर ऑफ स्टांप ने जांच में सही पाया है। कोर्ट ने वसूली के लिए बाकी रुपए जमा करने का आदेश दिया है। आदेश में 27.43 लाख रुपए की स्टांप शुल्क चोरी और 2.90 लाख की पंजीयन शुल्क चोरी दर्ज की है। इस तरह 28.53 लाख राजस्व हानि प्रमाणित हो गई। विशेषज्ञों के अनुसार, ब्याज और दंड जोड़ने के बाद विधायक की पत्नी को 59 लाख रुपए देने होंगे। मामला शहर के सबसे महंगे और व्यावसायिक क्षेत्रों में शामिल महाराणा प्रताप वार्ड की जमीन से जुड़ा है। खसरा नं. 289/8, 289/9, 289/23 की 10,400 वर्गफीट भूमि का सौदा किया गया। करोड़ों की एकमुश्त व्यावसायिक जमीन को चार दिन में ही दो हिस्सों में बांटकर अलग- अलग रजिस्ट्री कराई गई। पंजीयन विभाग की जांच में पता चला कि जमीन का वास्तविक गाइडलाइन मूल्य 3.86 करोड़ था, पर दस्तावेजों में कीमत 96.38 लाख दिखाई गई। यह वास्तविक कीमत से चार गुना कम थी।

भिंड की हनीट्रैप गैंग की महिला सदस्य एचआइवी पॉजिटिव निकली

भिंड। जिले से एक बड़ी खबर सामने आई है। भिंड जिले की देहात थाना पुलिस ने बीते दिनों जिस हनीट्रैप गैंग का पर्दाफाश किया था, उस हनीट्रैप गैंग की एक महिला सदस्य HIV पॉजिटिव निकली है। मेडिकल जांच में पता चला है कि महिला करीब तीन साल से HIV पॉजिटिव है। चिंता की बात ये है कि यही महिला गैंग की महिला सदस्य है जो लोगों के साथ संबंध बनाती थी। महिला के HIV पॉजिटिव होने की बात सामने आने के बाद हनीट्रैप गैंग के पीड़ितों की चिंता बढ़ गई है। हनी ट्रैप मामले में देहात थाना पुलिस की गिरफ्त में आए सभी आरोपियों को पुलिस जिला अस्पताल में मेडिकल चेकअप करवाने के लिए लेकर पहुंची थी। जांच के दौरान जैसे ही आरोपीगणों को एचआइवी जांच कक्ष में ले जाया गया तो वहां मौजूद स्टाफ ने पॉजिटिव महिला की पहचान कर ली। पहचान होने के बाद महिला ने बताया कि वह पिछले तीन साल से एचआइवी वायरस से संक्रमित है। जिसका उपचार वह जिला अस्पताल से ले रही है। जो महिला HIV पॉजिटिव है वही महिला लोगों के साथ संबंध बनाती थी और फिर गैंग मिलकर ब्लैकमेल करते थे। हनीट्रैप गैंग की महिला सदस्य के HIV पॉजिटिव पाए जाने के बाद अब उन लोगों की चिंता बढ़ गई है, जिसे गिरोह के द्वारा शिकार बनाया गया था। जिन लोगों के साथ महिला ने संबंध बनाए हैं, उन्हें एचआइवी जांच की सलाह दी जा रही है। हालांकि अभी तक कोई भी व्यक्ति चेकअप करवाने अस्पताल नहीं पहुंचा है, लेकिन इस खुलासे के बाद लोगों में खलबली मच गई है। बताया ये भी जा रहा है कि ये हनीट्रैप गैंग अब तक कई लोगों को अपना शिकार बना चुकी है। बता दें कि भिण्ड जिले की देहात पुलिस ने हनी ट्रैप गैंग का पर्दाफाश कर दो महिला सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह वृद्ध पुरुषों को निशाना बनाकर अश्लील वीडियो बनाता था और झूठे दुष्कर्म के प्रकरण में फंसाने की धमकी देकर वसूली करता था।

सहरिया बस्तियों में पहुंचा अनिल दाऊ फाउंडेशन, बच्चों के चेहरों पर बिखेरी मुस्कान

गंजबासौदा। अनिल दाऊ फाउंडेशन सोशल वेलफेयर के सदस्यों ने ग्राम गौचर एवं ग्राम कोहना पहुंचकर आदिवासी सहरिया जनजाति समुदाय के बीच सेवा कार्य किए। इस दौरान बच्चों और महिलाओं को आइसक्रीम, चप्पल, बिस्कुट तथा नहाने के साबुन वितरित किए गए। फाउंडेशन द्वारा प्रतिवर्ष इन दूरस्थ ग्रामों में पहुंचकर सामाजिक गतिविधियां संचालित की जाती हैं। संस्था का उद्देश्य ऐसे जरूरतमंद और उपेक्षित वर्गों तक सहायता पहुंचाना है, जहां सामान्यतः सामाजिक संस्थाओं की पहुंच कम होती है। ग्राम गौचर में कई छोटे बच्चे भीषण गर्मी में नंगे पैर घूमते नजर आए। जब उन्हें चप्पल पहनाई गई तो उनके चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने अपनी कुछ मूलभूत समस्याओं से भी नगर पालिका अध्यक्ष शशि यादव को अवगत कराया। उन्होंने स्थानीय प्रशासन के सहयोग से इन समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व गुरुवार को फाउंडेशन के सदस्यों ने ग्राम बड़ी वीर में पहुंचकर आदिवासी परिवारों के बीच आइसक्रीम, चप्पल और बिस्कुट का वितरण किया था। उस कार्यक्रम में तहसीलदार अरविंद यादव भी शामिल हुए थे। उनके प्रयासों से बस्ती में पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की गई इसके बाद मेडिकल टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन भी किया गया। ग्राम गौचर और कोहना में आयोजित सेवा कार्यक्रम में देवेंद्र यादव, मनोज यादव, सुरेंद्र भारद्वाज, सुरेंद्र दांगी, अशोक मंकू, राजेंद्र व्यास, नितिन यादव, राजन सिंह तोमर, पप्पू समैया, गजेंद्र बुंदेला, नीरज जैन सहित बड़ी संख्या में फाउंडेशन सदस्य एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

गोटेगांव में कांग्रेस ने बैलगाड़ी रैली निकालकर किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव में नगर कांग्रेस ने सरकार की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने बैलगाड़ी रैली निकालकर और महंगाई के पुतले के साथ प्रदर्शन करते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की। इस दौरान विभिन्न जनहित और किसान-युवा मुद्दों को लेकर तहसीलदार नीरज तखरया को एसडीएम के नाम 9 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कांग्रेस ने कई गंभीर विषयों पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया है।

रात एक बजे आंधी के कारण दो फीडरों में तकनीकी खराबी आने से ब्लैकआउट की स्थिति

कर्मियों का आरोप- जज के घर की बिजली गई तो पूरे क्षेत्र की बंद करवा दी, लोग भड़के

सतना। दोपहर मेट्रो

चित्रकूट में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात करीब एक बजे आधी के कारण 33 केवी के दो फीडरों में तकनीकी खराबी आने से ब्लैकआउट की स्थिति हो गई। शुक्रवार दोपहर तक मुख्य आपूर्ति बहाल कर दी गई, लेकिन कुछ व्यक्तिगत कनेक्शनों में समस्या रह गई। इसमें न्यायिक अधिकारी का आवास भी था। बिजलीकर्मियों का आरोप है कि शाम करीब 7:30 बजे न्यायिक मजिस्ट्रेट ने निर्देश दिया कि जबतक उनके घर की बिजली चालू नहीं होती, तब तक पूरी चित्रकूट की आपूर्ति रोक दी जाए। इसके बाद बिजलीकर्मियों ने आपूर्ति रोक दी। इससे पांच हजार से ज्यादा उपभोक्ताओं की आपूर्ति ठप हो गई। बाद में घटना के बाद नाराज विद्युतकर्मियों और कुछ स्थानीय नागरिकों ने पुलिस थाने पहुंचकर न्यायिक अधिकारी के खिलाफ लिखित शिकायत दी है।

क्या है मामला: मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों के अनुसार, गुरुवार-शुक्रवार की रात आई तेज आंधी के कारण मझगवां से आने वाले 33 केवी के दो फीडरों में तकनीकी खराबी आ गई थी। जंगल क्षेत्र में फॉल्ट होने के कारण सुधार कार्य में समय लगा। विभाग ने शुक्रवार दोपहर तक मुख्य बिजली आपूर्ति बहाल कर दी थी और अधिकांश शिकायतों का निराकरण कर लिया गया था। हालांकि कुछ व्यक्तिगत कनेक्शनों में समस्याएं बनी हुई थीं, जिनमें न्यायिक अधिकारी का आवास भी शामिल बताया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों और विद्युत कर्मियों के अनुसार, शाम करीब 7:30 बजे न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अपने सुरक्षाकर्मियों के साथ रजौला सब स्टेशन पहुंचे। यहां उन्होंने ड्यूटी पर मौजूद ऑपरेटर से अपने आवास की बिजली बहाल न होने पर नाराजगी जताई। आरोप है कि उन्होंने निर्देश दिया कि जब तक उनके घर की बिजली ठीक नहीं होती, तब तक पूरे चित्रकूट क्षेत्र की आपूर्ति बंद रखी जाए। विद्युत कर्मियों का कहना है कि इसके बाद रजौला और प्रमोद वन सबस्टेशन से संचालित बिजली आपूर्ति रोक दी गई। आरोप यह भी है कि ऑपरेटर को कंट्रोल रूम से बाहर कर दिया गया और कुछ समय तक किसी को अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई।

घटना के बाद नाराज बिजलीकर्मियों और कुछ स्थानीय नागरिकों ने पुलिस थाने पहुंचकर न्यायिक अधिकारी के खिलाफ लिखित शिकायत दी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पद का प्रभाव इस्तेमाल कर सार्वजनिक सेवा को बाधित किया गया और कर्मचारियों के कार्य में हस्तक्षेप किया गया। फिलहाल पुलिस और संबंधित विभाग पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। बिजलीकर्मी पकंज ने आरोप लगाया कि जज साहब आए थे, जिसके बाद उन्होंने कहा कि हमारी लाइन बंद है। इसके बाद उन्होंने जबरदस्ती पूरे चित्रकूट की लाइन बंद करवा दी। उस समय यहां जेईई साहब नहीं थे, केवल मैं और एक लाइनमैन था। जो हमारे कर्मचारी ने हमें जानकारी दी है, उसके हिसाब से ये बताया गया कि मजिस्ट्रेट यहां आए थे। उन्होंने दबाव बनाकर विद्युत आपूर्ति बंद करवाई और सुनने में ये भी आया है कि मारपीट की गई है।

अंधेरे में डूबा कस्बा जनता में आक्रोश

अचानक दोबारा बिजली बंद होने से चित्रकूट के हजारों उपभोक्ता परेशान हो गए। जब लोगों को इसकी वजह की जानकारी मिली तो बड़ी संख्या में नागरिक रजौला सबस्टेशन पहुंच गए। वहां लोगों ने विरोध जताते हुए बिजली विभाग और प्रशासन से जवाब मांगा। स्थानीय लोगों का कहना था कि एक व्यक्ति की शिकायत के कारण पूरे कस्बे को अंधेरे में रखना उचित नहीं है। मामले की सूचना मिलते ही विद्युत विभाग के कनिष्ठ अभियंता प्रवीण वर्मा मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। स्थानीय पुलिस भी सबस्टेशन पर पहुंची और सुरक्षा व्यवस्था संभाली। इसके बाद बिजली आपूर्ति दोबारा बहाल कर दी गई। सतना ग्रामीण क्षेत्र के कार्यपालन अभियंता पंकज द्विवेदी को भी घटना की जानकारी दी गई, जिसके बाद उन्होंने मामले की समीक्षा शुरू की।

तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी टक्कर, दो लोगों की मौके पर मौत

देवास। दोपहर मेट्रो

शिप्रा बायपास स्थित रूपाखेड़ी रेलवे ब्रिज पर शनिवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क की तकनीकी खामियों और राहत कार्य में देरी का आरोप लगाते हुए करीब दो घंटे तक चक्काजाम किया। प्रशासनिक अधिकारियों और क्षेत्रीय विधायक की समझाइश के बाद यातायात बहाल हो सका। जानकारी के अनुसार नायता पुवाल्डा निवासी अंसार पिता नूर हुसैन (45), हैदर पिता जब्बार पटेल (40) और इरफान उर्फ इमरान पिता जाकिर पटेल (35) शनिवार सुबह बाइक से इंदौर काम पर जाने के लिए निकले थे। तीनों बोरवेल की मोटर निकालने का काम करते हैं। सुबह करीब 8.30 बजे रूपाखेड़ी रेलवे ब्रिज पर इंदौर की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ब्रिज पर सड़क ऊंची-नीची होने के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। करीब 100 फीट तक बेकाबू दौड़ने के बाद कार डिवाइडर पार कर दूसरी लेन में पहुंच गई और सामने से आ रही बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि अंसार और हैदर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल इमरान को प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रेफर किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी तेज थी कि हैदर उछलकर ब्रिज से करीब 50 फीट नीचे जा गिरा। कार और बाइक दोनों बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। उनका आरोप था कि सूचना देने के बावजूद एंबुलेंस और राहत दल समय पर नहीं पहुंचे। ऐसे में घायलों और मृतकों को निजी वाहनों तथा ट्रैक्टर-ट्रॉली से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। इसी बात को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने सड़क पर चक्काजाम कर दिया। करीब दो घंटे तक चले चक्काजाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलते ही एसडीएम अभिषेक शर्मा, ट्रैफिक डीएसपी एचएन बाथम, सीएसपी सुमित अग्रवाल और यातायात थाना प्रभारी पवन बागड़ी मौके पर पहुंचे।

होटल बुकिंग का झांसा देकर लगाते थे चूना, महाकाल दर्शन के नाम पर चल रहा साइबर फ्रॉड; 11 वेबसाइटें बंद

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

बाबा श्री महाकाल के दर्शन के लिए देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं को निशाना बनाने वाले साइबर ठगों पर उज्जैन पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने महाकाल भक्त निवास, माधव सेवा न्यास और कई बड़े होटलों के नाम से चल रही 11 फर्जी वेबसाइटों को तत्काल बंद करवा दिया है। दरअसल, साइबर अपराधी इंटरनेट पर नकली वेबसाइटें बनाकर श्रद्धालुओं को कमरे बुक करने का झांसा दे रहे थे।

एडवांस पेमेंट लेने के बाद जब श्रद्धालु परिवार के साथ उज्जैन पहुंचते थे, तब उन्हें ठगी का पता चलता था। इससे लोगों को आर्थिक नुकसान के साथ मानसिक परेशानी भी झेलनी पड़ रही थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर साइबर सेल ने तकनीकी जांच शुरू की। जांच में 11 फर्जी वेबसाइटें और लिंक सामने आए। इसके बाद पुलिस मुख्यालय भोपाल के माध्यम से आईटी एक्ट के तहत संबंधित कंपनियों को नोटिस भेजकर सभी साइटों को ब्लॉक करवा दिया गया। थाना प्रभारी ने कहा कि ट्रिप एडवाइजर और जस्टडायल पर बने फर्जी लिंक्स को भी हटवा दिया गया है। याद रहे कि उज्जैन पुलिस ने श्रद्धालुओं के लिए एडवाइजरी जारी की है। पुलिस ने कहा कि होटल या भक्त निवास बुक करते समय सिर्फ अधिकृत वेबसाइट का ही इस्तेमाल करें। किसी अज्ञात नंबर या संदिग्ध लिंक पर पेमेंट करने से पहले जानकारी को अच्छी तरह जांच लें। अगर कोई ठगी का शिकार होता है तो तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें।

30 जून तक कटनी साउथ स्टेशन और आयुध निर्माणी को जोड़ने वाला मार्ग रहेगा बंद

कटनी। दोपहर मेट्रो

कटनी शहर में 1 जून से 30 जून तक कटनी साउथ स्टेशन और आयुध निर्माणी को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग बंद रहेगा। यह मार्ग आयुध निर्माणी क्षेत्र से होकर गुजरता है। मार्ग बंद होने से हजारों लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

मरम्मत कार्य से आज शहर के कई क्षेत्रों में जलापूर्ति प्रभावित रहेगी

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

छिंदवाड़ा में कन्हारगांव जलाशय से आने वाली ग्रेविटी पाइपलाइन के मरम्मत कार्य के कारण रविवार को शहर के कई क्षेत्रों में जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। नगर निगम ने पहले ही संबंधित क्षेत्रों के नागरिकों को सूचना जारी कर आवश्यकतानुसार पानी का भंडारण करने की सलाह दी है। नगर निगम की जल प्रदाय शाखा के अनुसार, पाइपलाइन के संधारण और मरम्मत कार्य के चलते निर्धारित क्षेत्रों में रविवार को पानी की सप्लाई बंद रहेगी। कार्य पूर्ण होने के बाद ही जलापूर्ति सामान्य रूप से शुरू की जाएगी।

गाड़ी में आग लगने से पूरी तरह जली

बालाघाट। दोपहर मेट्रो

जिले के कोतवाली थाना इलाके में कुम्हारी और पाथरवाड़ा के बीच एक स्कार्पियो गाड़ी आग लगने से पूरी तरह जल गई। यह हादसा देर रात को हुआ। अच्छी बात यह रही कि गाड़ी में सवार ड्राइवर और बाकी लोग समय रहते सुरक्षित बाहर निकल आए। माना जा रहा है कि आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट हो सकती है।

मेट्रो एंकर शिवपुरी के कई इलाकों के लोग काले कुत्ते के बने शिकार

एक ही दिन में 65 लोग बने शिकार, बच्ची का चेहरा जबड़े में जकड़ा

शिवपुरी। दोपहर मेट्रो

शिवपुरी शहर में एक काले रंग के आवारा कुत्ते ने जमकर आतंक मचाया। शहर के अलग-अलग इलाकों में घूम रहे इस कुत्ते ने बच्चों महिलाओं और पुरुषों समेत करीब 65 लोगों को काट लिया. घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया जहां दिनभर मरीजों की भीड़ लगी रही। कुत्ते के हमलों से पूरे शहर में दहशत है।

इस आवारा कुत्ते के हमले की सबसे गंभीर घटना महल के पीछे लक्ष्मीबाई कॉलोनी रोड पर सामने आई जहां घर के बाहर खेल रही एक ढाई साल की मासूम बच्ची पर कुत्ते ने हमला कर दिया। कुत्ते ने बच्ची के चेहरे को अपने जबड़ों में जकड़ लिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह बच्ची को बचाया इस दौरान बचाव करने पहुंचे एक व्यक्ति को भी कुत्ते ने काट लिया। कुछ देर बाद इसी कुत्ते ने विजयपुरम निवासी बलराम सिंह रावत पर हमला कर उनके हाथ में काट लिया

बलराम सिंह ने बताया कि 'कुत्ता अचानक दौड़ता हुआ आया और हमला कर भाग गया।' महल के पीछे रहने वाली 8 वर्षीय वंशिका भी कुत्ते के हमले का शिकार हुई। वहीं, सब्जी मंडी के सामने पंचर की दुकान पर काम कर रहे आजाद खान को भी कुत्ते ने काट लिया। नगर पालिका कर्मचारी अशोक खरे की पत्नी को भी इस कुत्ते ने घायल कर दिया। कमलागंज निवासी नितेश जाटव को गांधी पार्क के पास कुत्ते ने काट लिया हमले में वह गंभीर रूप से घायल हुए और उन्हें 22 टांके लगाने पड़े। उधर, ठंडी सड़क स्थित फ्रूट मंडी में फल व्यापारी रहीश राइन पर भी कुत्ते ने हमला कर दिया। रहीश राइन मंडी में अपने काम में व्यस्त थे तभी कुत्ता अचानक पहुंचा और उनके हाथ में काट लिया. हमले के बाद कुत्ता मौके से भाग गया. यह पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई. फुटेज में कुत्ता अचानक व्यापारी पर हमला करता हुआ दिखाई दे रहा है. हनुमान चौराहा एमएम हॉस्पिटल क्षेत्र नवाब साहब रोड, खुड़ा बस्ती, कस्टम गेट, गांधी पार्क, ठंडी सड़क और लक्ष्मीबाई कॉलोनी सहित शहर के कई इलाकों से इसी काले रंग के कुत्ते द्वारा लोगों पर हमला किए जाने की जानकारी सामने आई है। जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. बी.एल. यादव ने बताया कि 'सुबह से शाम तक 60 से अधिक लोग कुत्ते के काटने के बाद अस्पताल पहुंचे हैं सभी का उपचार किया जा रहा है अस्पताल में एंटी रेबीज वैक्सीन और अन्य जरूरी संसाधन पर्याप्त हैं।

अंत में पकड़ाया काला कुत्ता

नगर पालिका सीएमओ इशांत धाकड़ ने बताया कि 'कुत्ते को पकड़ने के लिए कई टीमें शहर में लगातार अभियान चला रही हैं। संभावित काले रंग के कुत्तों को पकड़ा जा रहा है, लेकिन लोगों पर हमला करने वाला कुत्ता देर शाम तक पकड़ में नहीं आ सका। नगर पालिका की टीमें उसकी तलाश में जुटी हुई हैं। हालांकि, बाद में इस मामले को लेकर नगर पालिका शिवपुरी के सीएमओ इशांत धाकड़ का कहना है कि कई टीमें बनाकर इस आवारा कुत्ते के आतंक से लोगों को निजात दिलवा कर इसे पकड़ लिया है। यह कुत्ता नगर पालिका के दस्ते को चकमा देकर कई बार हाथ से निकल गया था, लेकिन अब इसे पकड़ लिया गया है।

अंधे कत्ल का पर्दाफाश: 24 घंटे के भीतर हत्या के दो आरोपी गिरफ्तार

सागर। दोपहर मेट्रो

आगासौद थाना के ग्राम देहरी स्थित एक बगीचे में एक व्यक्ति का शव मिलने के बाद पुलिस की छानबीन के बाद हत्या का मामला उजागर हुआ। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बीना डॉ. संजीव उईके तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अजय कुमार सनकत के मार्गदर्शन में थाना आगासौद पुलिस ने हत्या के एक गंभीर एवं चुनौतीपूर्ण प्रकरण का खुलासा कर महज 24 घंटे के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 28 मई को थाना आगासौद पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम देहरी स्थित एक बगीचे में एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तथा जांच प्रारंभ की। पूछताछ में मृतक की पहचान कल्लू चढ़ार निवासी ग्राम देहरी के रूप में हुई।

मृतक के परिजनों ने बताया कि घायल अवस्था में उसे उपचार के लिए सिविल अस्पताल बीना ले जाया गया था, जहां चिकित्सकों द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। प्रथम दृष्टया मामला सामान्य मृत्यु का प्रतीत हो रहा था, किन्तु पुलिस द्वारा शव का बारीकी से निरीक्षण करने पर शरीर पर चोटों के गंभीर निशान पाए गए, जिससे हत्या की आशंका हुई। थाना आगासौद में मर्ग कायम कर सूक्ष्मता से जांच की गई। घटनास्थल निरीक्षण, साक्ष्य संकलन, गवाहों से पूछताछ तथा अन्य तथ्यों के आधार पर यह स्पष्ट हुआ कि ग्राम देहरी निवासी कल्लू उर्फ विश्वनाथ ठाकुर एवं मनीष ठाकुर द्वारा मृतक कल्लू चढ़ार के साथ मारपीट की गई तथा बाद में उसकी गला दबाकर हत्या कर दी. आरोपियों के विरुद्ध हत्या का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

विशेष पुलिस टीम गठित की

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में विशेष पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने लगातार प्रयास करते हुए मुखबिर तंत्र एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दोनों आरोपियों की घेराबंदी कर 30 मई को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई

थाना आगासौद पुलिस ने तत्परता एवं पेशेवर दक्षता का परिचय देते हुए अल्प समय में साक्ष्य जुटाकर आरोपियों की पहचान की तथा हत्या जैसे गंभीर अपराध का सफलतापूर्वक खुलासा कर आरोपियों को कानून के शिकंजे में पहुंचाया। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक नितिन पाल, प्रधान आरक्षक संतोष रैकवार, प्रधान आरक्षक सतीश रावत, आरक्षक लोकेन्द्र यादव, आरक्षक रनवीर सिंह, आरक्षक सतीश शर्मा, आरक्षक रामकृष्ण योगी, आरक्षक दीपक इनवाती एवं प्रधान आरक्षक चालक संतोष तिवारी की विशेष एवं सराहनीय भूमिका रही।

न्यूज विंडो

ग्रामीणों ने जताई जमीन, पर्यावरण और रोजगार को लेकर चिंता

अनूपपुर। जिले के रक्सा-कोलमी क्षेत्र में प्रस्तावित न्यू जोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड एवं टोरेंट पावर परियोजना को लेकर जहां एक ओर विकास और रोजगार के दावे किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर क्षेत्र के कई ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने परियोजना के संभावित दुष्प्रभावों को लेकर गंभीर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जिन जमीनों पर परियोजना विकसित की जा रही है, वहां पहले कृषि और वन आधारित आजीविका से सैकड़ों परिवार जुड़े हुए थे। लोगों को आशंका है कि बड़े औद्योगिक निवेश के नाम पर स्थानीय संसाधनों पर दबाव बढ़ेगा और ग्रामीणों की पारंपरिक आजीविका प्रभावित हो सकती है। पर्यावरण विशेषज्ञों का भी मानना है कि बड़े औद्योगिक प्रोजेक्टों के साथ भूमि अधिग्रहण, जल स्रोतों पर दबाव, प्रदूषण और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रभाव जैसी चिंताएं अक्सर सामने आती रही हैं। देश के विभिन्न राज्यों में कई परियोजनाओं के खिलाफ ग्रामीणों ने इसी प्रकार के मुद्दों को लेकर विरोध दर्ज कराया। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि कंपनियां रोजगार और विकास के बड़े-बड़े वादे तो करती हैं, लेकिन वास्तविकता में अधिकांश तकनीकी पदों पर बाहरी लोगों की नियुक्ति होती है, जबकि स्थानीय युवाओं को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाता। ऐसे मामलों को लेकर देश के कई औद्योगिक क्षेत्रों में पहले भी विवाद सामने आ चुके हैं। ग्रामीणों ने यह भी मांग की है कि परियोजना से जुड़े सभी पर्यावरणीय और प्रशासनिक दस्तावेज सार्वजनिक किए जाएं तथा ग्राम सभाओं में पारदर्शी चर्चा कर लोगों की सहमति ली जाए।

मिनी अवैध हथियार फैक्ट्री का पर्दाफाश घर के पीछे पिस्टल बनाते हुए गिरफ्तार

धार। अवैध हथियारों के सौदागरों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गंधवानी पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने गंधवानी के समीप ग्राम बारिया में चल रही एक मिनी अवैध हथियार फैक्ट्री पर छापा मारकर भारी मात्रा में हथियार और उन्हें बनाने की सामग्री जब्त की है। मौके से एक आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। एसपी सचिन शर्मा के मार्गदर्शन में पुलिस द्वारा उक्त कार्यवाही की गई है। गंधवानी थाना प्रभारी प्रदीप खन्ना ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि पुलिस को मुखबिर से ग्राम बारिया की ब्लॉक कॉलोनी में अवैध हथियार निर्माण की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर शुक्रवार शाम को पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से दबिश दी। कार्रवाई के दौरान आरोपी रोहित (25 वर्ष), पिता भजनसिंह बरनाला को उसके घर के पीछे अवैध रूप से देसी पिस्टल, मैगजीन और जिंदा कारतूस बनाते हुए रंगे हाथों दबोच लिया गया। थाना प्रभारी खन्ना ने बताया कि आरोपी के कब्जे से अवैध देसी कट्टे और पिस्टल बनाने वाले उपकरणों का बड़ा जखीरा बरामद हुआ है। पुलिस ने कार्यवाही के दौरान एक देसी पिस्टल (मय मैगजीन), 3 जिंदा कारतूस और 1 अतिरिक्त मैगजीन, निर्माण सामग्री में 21 बैरल कवर, 23 बैरल नली, 11 पिस्टल सांचे, 4 मैगजीन सांचे, पिस्टल स्प्रिंग, स्क्रू और 1 लोहे का सांचा ठिया को जप्त किया है। साथ ही 2 ग्राइंडर मशीन, 22 ग्राइंडर पत्तियां, 1 पंखा, 3 हथौड़ी, 2 संडासी, 1 आरी, 6 रेती, 2 छेनी, 3 छोटे सुवा, 7 नग सुरक्षा चश्मे और 1 बोर नापने का माप भी मौके पर मिले है। पुलिस ने आरोपी रोहित के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है।

तेंदूखेड़ा झलौन हाईवे सहित धनेटा मार्ग पर जंगल माफिया सक्रिय

झलौन वन अमले की निगरानी के बीच रेंज में चारों ओर काटे जा रहे हैं दर्जनों पेड़

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

जिस तरह क्षेत्र में पेड़ों की अवैध कटाई जारी है, उसे देखते हुए पर्यावरण संरक्षण को लेकर प्रशासन और वन विभाग के दावे फेल होते नजर आ रहे हैं। हालात ये हैं कि जो क्षेत्र कभी पेड़ों की हरियाली से लहलहा रहे थे, अब वहां खाली मैदान नजर आ रहा है। गौर करने वाली बात ये है कि जंगल की रखवाली के लिए वन अमला तैनात है लेकिन इसके बाद भी पेड़ लगातार कट रहे हैं, जिससे कहीं न कहीं संबंधितों की मिलीभगत उजागर हो रही है। जिले के उप-वन मंडल तेंदूखेड़ा के झलौन वन परिक्षेत्र में बड़ी संख्या में माफिया सक्रिय बताए जा रहे हैं लेकिन ये वन विभाग को नजर नहीं आ रहे हैं दरअसल झलौन वन परिक्षेत्र में चारों ओर बड़े पैमाने पर हरे भरे पेड़ों की अवैध कटाई की जा रही है गौर करने वाली बात ये है कि पेड़ों को काटने के बाद जो ठूंठ बच रहे हैं, वह जिम्मेदारों को नजर नहीं आ रहे हैं। जहां शासन-प्रशासन द्वारा एक ओर वनों की सुरक्षा एवं देखभाल के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं नए प्लांटेशन का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। उनकी सुरक्षा के लिए वनरक्षक व चौकीदारों को भी रखा गया है। लेकिन इसके बाद भी पेड़ों की अवैध कटाई होना सुरक्षा में तैनात जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर कई सवाल खड़े कर रहा है।

वन माफिया के निशाने पर सागर जबलपुर स्टेट हाईवे 15 है। जहां झलौन तेंदूखेड़ा मार्ग व हाईवे किनारे लगे वर्षों पुराने सागौन सहित कीमती पेड़ों पर रात के समय आरा मशीन चल रही है। गौर करने वाली बात ये हैं कि इस बारे में संबंधित विभाग के अधिकारी कर्मचारी अंजान है सागर झलौन स्टेट हाईवे मार्ग पर दोनों और आधा दर्जन से अधिक पेड़ों को कटा हुआ देखा जा सकता है, जो हाईवे किनारे लगे हुए थे। इन पेड़ों को माफियाओं द्वारा रात में काटना बताया जा रहा है। जिन्हें लकड़ी काटने वाली मशीन से काटा गया है इसके अलावा धनेटा मार्ग पर बड़ी संख्या में सड़क किनारे पेड़ काटे जा रहे हैं जिस स्थान पर यह कटाई की गई वह झलौन वन परिक्षेत्र एवं तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र की सीमा से लगा हुआ क्षेत्र है। जिस कारण अधिकारियों द्वारा भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण प्रेमियों का कहना है कि यदि इसी तरह जंगल एवं हाईवे किनारे लगे पेड़ों को काटा जाता रहा तो जिले में एक पेड़ मां के नाम अभियान का सफल होना मुश्किल है। इधर सफाया हो रहे जंगलों का खामियाजा जंगली जानवरों को भी भुगतान पड़ रहा है। जानवर जंगल छोड़कर हाईवे पर आने लगे हैं और वाहन दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। बता दें कि तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र की तिपनी बीट में वर्ष 2020 में वन माफियाओं द्वारा रातों रात हजारों की संख्या में सालों पुराने पेड़ों की कटाई की थी। जिसके बाद वन विभाग के बड़े अधिकारियों में हड़कंप मच गया था और सागर सीसीएफ, दमोह डीएफओ भी मौके पर पहुंचे थे। करीब एक सप्ताह तक तक पेड़ों की गिनती चलती रही, लेकिन बाद में फाइल दबा कर रह गई और कागजों में कार्रवाई बता दें कि बीटों में वन कर्मियों की तैनाती के लिए चौकी भी बनी हुई है, लेकिन उनमें कोई भी कर्मी मौजूद नहीं रहता है। जिसका फायदा भी माफिया उठा रहे हैं। जबकि कायदे से अपनी ड्यूटी समय चौकी में परिक्षेत्र अधिकारी, बीटगार्ड आदि को रहना चाहिए।

सभी प्रजाति के हैं ठूंठ

कटे पेड़ों की गौर से इन बीटो में गणना कराई जाये तो इनकी गणना सैकड़ों हरे भरे पेड़ों मे होगी जिनकी रखवाली में पूरा वन अमला लगा है सवाल यह उठता है कि जंगल रखने के लिए सुरक्षा -श्रमिक, स्थाई, कर्मी, वनकर्मी, डिप्टी रेजर, रेंजर के अलावा वन समितियों के अध्यक्ष लगे है। उसके बाद भी उन्ही जगहों पर सबसे ज्यादा कटाई हो रही है और यह लोग माफियाओं को पकड़ने में असफल है। ग्रामीण क्षेत्रों में कई जगह खेत किनारे निकलने पर जंगल से काटे गये हरे-भरे पेड़ों के खंबे यहां की शोभा बड़ा रहे है। दूसरी तरफ जंगल में उनके बचे ठूंठ दिखाई दे रहे है, इससे साफ जाहिर होता है कि इस कटाई कार्य में वन अमला पूरी तरह लिप्त है।

अवैध कटाई के गवाह बने ठूंठ

झलौन वन परिक्षेत्र में वन माफियाओं द्वारा बड़ी संख्या में सागौन सहित अन्य पेड़ों को काटा गया है। जहां पेड़ों की कटाई के बाद बचे ठूंठ और जहां-तहां पड़ी टहनियां इसकी गवाही दे रही हैं। हालांकि ये सब वन विभाग को नजर नहीं आता है। यदि स्थानीय लोगों की माने तो झलौन वन परिक्षेत्र की हर बीट में माफिया बड़ी संख्या में हरे-भरे पेड़ों को काट कर जंगल में सफाया करने में लगे हुए हैं। माफिया बेफिक्र होकर पेड़ों को काटते हैं और - परिवहन कर ले जाते हैं लेकिन वनों की सुरक्षा के लिए तैनात वन अमला को ये नजर नहीं आ रहा है। आरोप है कि झालौन के साथ ही उप वन मंडल तेंदूखेड़ा की अन्य रेंज और बीटों में इसी तरह की अवैध कटाई जारी है।

सरपंच ने रात के अंधेरे में आंगन से किया अपहरण, जंगल में ले जाकर किया दुष्कर्म

धार। दोपहर मेट्रो

आदिवासी बाहुल्य कुक्षी तहसील के ग्राम आशपुर में एक 16 वर्षीय नाबालिग किशोरी के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में स्थानिय पुलिस की लापरवाही का मामला सामने आया है। एक तरफ पीड़ित परिवार न्याय के लिए दर-दर भटकता रहा, वहीं दूसरी तरफ पुलिस अधिकारी मैडम छुट्टी पर हैं और कल आना जैसे बहाने बनाकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते नजर आई। हालांकि जब घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारी को लगी तो मामले में प्रकरण दर्ज हुआ है।

घटना 28 मई की रात करीब 1 बजे की है। पीड़िता अपने माता-पिता के साथ घर के आंगन में सो रही थी। इसी दौरान ग्राम उण्डली का सरपंच सुनील पिता मोहन मोरी अपने साथी अर्जुन पिता बापू, निवासी लुन्हेरा के साथ वहां पहुंचा। आरोपियों ने सोते समय पीड़िता का मुंह दबाया और उसे जबरन गाड़ी में बैठाकर भुवानीपुरा के जंगलों में ले गए। वहां मुख्य आरोपी सरपंच सुनील ने पीड़िता के साथ दो-तीन बार दुष्कर्म किया, जबकि उसका साथी अर्जुन गाड़ी में ही निगरानी करता रहा। वारदात के बाद आरोपी ने पीड़िता को जान से मारने की धमकी दी और घटना के करीब दो घंटे बाद उसे गांव के बाहर छोड़कर फरार हो गए। पीड़िता के घर पर मुर्गे का मांस बेचने की दुकान होने के कारण आरोपी अक्सर वहां आते थे, जिससे पीड़िता उन्हें पहले से जानती थी।

आरोपी की धमकी से डरी-सहमी पीड़िता जब घर पहुंची, तो अत्यधिक डर के कारण उसने रात में किसी को कुछ नहीं बताया। अगले दिन शाम को जब मां ने कड़ाई से पूछताछ की, तो पीड़िता अपनी आपबीती सुनाई। इसके बाद परिजनों ने तुरंत वर्तमान सरपंच को मामले की जानकारी दी और थाने पहुंचे। पीडित परिवार के अनुसार रात को हमारी बच्ची को सुनील सरपंच उठा ले गया। जब हम कल शाम 6 बजे थाने आए और टीआई को फोन लगाया, तो कहा गया कि मैडम छुट्टी पर हैं, वे ही रिपोर्ट लिखेंगी।

जिला भाजपा की बैठक संपन्न

विकास और जनकल्याण के 12 साल पूर्ण होने पर होंगे कार्यक्रम

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र की एनडीए सरकार देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के राष्ट्र प्रथम के संकल्प के साथ निरंतर राष्ट्रहित में कार्य किया जा रहा है जिसमें विश्वास विकास और जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा 5 जून से 21 जून तक विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जनता के बीच सेवा और सुशासन के कार्यों का विस्तृत विवरण पहुचाया जाएगा इसका साथ ही विभिन्न आयोजन किये जाएंगे इसको लेकर जिला भाजपा कार्यालय नरसिंहपुर में जिले की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन भाजपा जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक की अध्यक्षता में एवं जिला प्रभारी शरद जैन, पूर्व विधायक नरेश पाठक, प्रदेश विशेष आमंत्रित सदस्य मिनेन्द्र डागा, जिला महामंत्री सुरेन्द्र मोहन नेमा, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती संध्या कोठारी की विशेष उपस्थिति में किया।

इस अवसर किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष राजकुमार गुमास्ता ने प्रधानमंत्री की मन की बात के 134 वे प्रसारण के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि मन की बात कार्यक्रम में देश के विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले लोगो को प्रोत्साहित एवं सम्मानित करने का काम किया जाता है एवं यह 134 वा एपीसोड हमारे किसान भाईयों के साथ संवाद स्थापित कर मनाया जाएगा। जिसे मन की बात किसानो के साथ का नाम दिया गया है। इस अवसर पर प्रदेश के राज्यपाल एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रदेश के किसी भी बूथ पर उपस्थित होकर मन की बात का श्रवण करेंगे।

जिला महामंत्री सुरेन्द्र मोहन नेमा ने बताया कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के कार्यकाल के सफलतम 12 वर्ष पूर्ण होने जा रहे है यह एक महत्वपूर्ण अवसर है अंत्योदय की भावना से कार्य कर रही भाजपा की सरकार ने देश के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को भी लाभ पहुचाने का कार्य किया है। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 5 जून से 21 जून तक विभिन्न आयोजनों के माध्यम से जन सेवा के कार्य करने का निश्चय किया है जिसमें 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम के माध्यम से जिले के विभिन्न स्थानो पर स्थानीय लोगो की सहभागिता के साथ पौधा रोपण का कार्य एवं उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी तय कर पौधा रोपण किया जाएगा।

8 जून से 14 जून जनसंपर्क अभियान के माध्यम से वृक्षारोपण, सफाई एवं प्लास्टिक अपशिष्ट का नष्टीकरण के साथ जिले के प्रबुद्धजनो से संपर्क एवं संवाद किया जाएगा। 11 एवं 12 जून को प्रदेश स्तर से तय प्रवक्ता द्वारा मीडिया संवाद एवं 12 से 18 जून में विधानसभा स्तर पर जनकल्याणकारी शिविर का आयोजन करना जिसके माध्यम से विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से बंचित पात्र हितग्राहियों को लाभ पहुचाना है।

मेट्रो एंकर

15 वें नव आरक्षक सत्र 2025-26 का प्रशिक्षण पूर्ण, दीक्षांत समारोह का आयोजन

नव आरक्षक अपनी आंखों और कानों पर विश्वास रखें तथा प्रजेंस ऑफ माइंड का उपयोग करें: आईजी

सागर। दोपहर मेट्रो

पुलिस प्रशिक्षण शाला, मकरोनिया में संचालित 15 वें नव आरक्षक बुनियादी सत्र 2025-26 का प्रशिक्षण पूर्ण होने पर प्रशिक्षाणार्थियों का दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ। यह दीक्षांत समारोह आईजी मिथिलेश शुक्ला की उपस्थिति में हुआ। दीक्षांत समारोह में 302 प्रशिक्षाणार्थी की परेड संपन्न हुई। दीक्षांत परेड अवसर पर मुख्य अतिथि आईजी शुक्ला को सलामी दी गई। मुख्य अतिथि द्वारा परेड का निरीक्षण किया गया।

परेड कार्यवाही के बाद पुलिस अधीक्षक पीटीएस लवली सोनी द्वारा प्रशिक्षण प्रतिवेदन का वाचन किया गया। इस सत्र में 302 नव आरक्षक प्रशिक्षित होकर इस संस्था से विदा हो रहे हैं। नव आरक्षक प्रषिक्षुओं को व्यवहारिक ज्ञान के लिए भौतिक रूप से एफ.एस.एल., केन्द्रीय जेल, वन स्टॉप सेंटर एवं शिशु बाल गृह का भ्रमण कराया जाकर पुलिस संबंधी कार्यवाहियों से अवगत कराया जाकर प्रषिक्षित किया गया है। दीक्षांत

समारोह में पुलिस महानिरीक्षक मिथिलेश शुक्ला द्वारा बताया गया कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान का कार्यक्षेत्र में हूबहू पालन करना है। उन्होंने नव आरक्षकों को निर्देश दिया कि वे अपनी आँखों और कानों पर विश्वास रखें तथा प्रजेंस ऑफ माइंड का उपयोग करें। यदि कोई गलत काम करने को कहे, तो उसे पूरी शालीनता और संयम के साथ मना कर दें, क्योंकि अंत में सत्य की ही जीत होती है। मुख्य अतिथि द्वारा बुनियादी प्रशिक्षण में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरुस्कार प्राप्त प्रशिक्षुओं को पुरूस्कृत किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन सेवानिवृत्त सहायक प्राध्यापिका चंद्र प्रभा जैन द्वारा किया गया। अंत में उप पुलिस अधीक्षक पीटीएस हेमंत बरेहया द्वारा समस्त अधिकारीगण, उपस्थित अतिथियों एवं नव आरक्षक प्रशिक्षुओं के परिवार जनों का आभार प्रदर्शन किया गया।

प्रशिक्षुओं को किया पुरूस्कृत

- सत्र का सर्वोत्तम प्रशिक्षु (ऑल-राउंडर) आकाश नर्वल (जिला रतलाम)
- सर्वोत्तम इंडोर प्रशिक्षु गोविंद राजपूत (जिला उज्जैन)
- सर्वोत्तम आउटडोर प्रशिक्षु लाखन सिंह (जिला झाबुआ)

आज का चैंपियन कौन.....

निगाहें टॉस के टोटके पर भी

3 महीने से कम समय के भीतर ही अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में एक बार फिर फटाफट क्रिकेट यानी टी20 टूर्नामेंट का महामुकाबला आज होने वाला है। गौरतलब है कि पहले मौजूदा आईपीएल के फाइनल बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में होना था जिसे मैदान में दर्शकों की संख्या की वजह से अहमदाबाद के लिए बदल दिया गया। 8 मार्च 2026 को इसी मैदान पर टी20 वर्ल्ड कप का फाइनल खेला गया था,जिसका खिताब मेजबान टीम इंडिया ने अपने नाम किया था।वहीं अब आज एक बार फिर इसी फ़ॉर्मेट के सबसे भारी भरकम टूर्नामेंट आईपीएल 26 का फाइनल भी गुजरात टाइटंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला जायेगा।वैसे अब इस मुकाबले को टीमों के नाम से कहीं अधिक कोहली बनाम गिल भी बताया व जताया जा रहा है।मेरा नजरिया इस तरह के मुकाबले से कतई इत्तेफाक नहीं रखता है।इसकी खास वजह यह है कि क्रिकेट के खेल में भले ही सुर्खियां बटोरने के लिए इस तरह के गणित बताए जाते हैं,लेकिन सच तो यह है कि टीम गेम को जीतने के लिए पूरी यूनिट का सामुहिक प्रदर्शन के ही मायने होते हैं।2 माह से भी अधिक चले इस टूर्नामेंट में बाजी किस टीम के हाथ लगेगी, इसका अनुमान व आकलन बेहद जटिल कहा जा सकता है।आज के इस बहुचर्चित हाई वोल्टेज मुकाबले में आरसीबी जहां खिताब का बचाव करने उतरेगी।वहीं, गुजरात टीम दूसरी बार ट्रॉफी अपने नाम करना चाहेगी,वैसे अगर बाजी बेंगलुरु टीम मारती है तो उसके लिए भी यह इस टूर्नामेंट का दूसरा खिताब होगा।अगर हम दोनों ही टीमों की ताकत और कमजोरी की करें तो एक बात तो तय है कि मौजूदा आईपीएल में यही दोनों टीमें इस निर्णायक मुकाबले की वास्तविक हकदार कही जा सकती हैं।बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी का सबसे सही संतुलन इन दोनों टीमों ने मैदान पर भी दिखाया है। गुजरात टाइटंस में जहां गिल,सुदर्शन ने बल्ले से तो गेंदबाजी में रबाडा,सिराज ने धमाल दिखाया है,जबकि बेंगलुरू के लिए कोहली,वेंकटेश,पाटीदार,कुणाल,भुवनेश्वर और हेसलवुड ने कमाल का खेल दिखाया है।असल मे पूरे टूर्नामेंट में इन टीमों की कोई भी हार दिन विशेष पर इनकी साधारण चूक की वजह से भी हुई है।दोनों टीमों के बीच हुए पहले क्वालीफायर में कप्तान गिल का टॉस जीतकर गेंदबाजी का चयन भी कुछ ऐसा ही बयां करता है।दरअसल लीगचरण में भले ही टॉस का किरदार निर्णायक न रहा हो,लेकिन टॉप 4 टीमों के बीच हुए अहम चक्र के मैचों में सिक्के ने भी गजब का खेल दिखाया है।इस राउंड में हुए सभी मुकाबलों में टॉस की जीत ने मैच की बाजी पलटी है।मजेदार बात यह रही कि जहां क्वालीफायर 1 ओर एलिमिनेटर मैच में टॉस विजेता कप्तान को चेस करना महंगा पड़ा,जबकि क्वालीफायर 2 में टॉस विजेता कप्तान का पहले बल्लेबाजी करना भी जीत के सिक्के को मैच की जीत में बदल नहीं सका है।सबसे दिलचस्प पहलू यह रहा कि तीनों ही मैचों में टॉस हारने वाला कप्तान भी वही करना चाहता था जो कि टॉस विजेता कप्तान ने किया। सही मायने में अभी तक हुए निर्णायक राउंड की सभी भिड़ंत में टॉस की जीत में हार का टोटका दिखा है।हालांकि क्रिकेट के खेल में इस तरह की बातें जीत और हर तय नहीं करती हैं।फिर भी मानो या न मानो खिलाड़ियों के दिमाग मे तो इस तरह की मानसिकता कुछ हद तक काम करती ही है।मतलब साफ है कि टॉस के मामले में दोनों ही कप्तान यह सोच सकते हैं कि पहले बल्लेबाजी या गेंदबाजी का फैसला विपक्षी कप्तान के हिस्से में आये तो बेहतर होगा।खैर यह सब बातें तो मैदान में होने वाली भिड़ंत के पहले तक सीमित है,लेकिन सच तो यह है कि आज के मुकाबले के चैंपियन कौन बनेगा,इस पर कोई भी भविष्यवाणी करना आसान तो कतई नहीं है।वैसे अगर हम मौजूदा पूरे आईपीएल की पिच की बात करें तो फिर ज्यादातर मुकाबलों में बल्लेबाज ही बेरहम नजर आये हैं,जबकि गेंदबाज तो लाचार ही दिखे हैं,जिसकी सबसे बडी वजह सपाट पिच कही जा सकती है।किसी भी फिरकी गेंदबाज का इस टूर्नामेंट में अपनी काबलियत साबित न कर पाना तो यही जताता है कि गेंदबाजों की सफलता सिर्फ तेज गेंदबाजों के खाते में आयी है।वजह बल्लेबाजों के मिस हिट पर विकेट मिलना भी कहा जा सकता है।गौरतलब है कि इस बार टूर्नामेंट में ज्यादातर टॉप विकेट टेकर तेज गेंदबाज ही रहे हैं।इस लिहाज से तो आज के मुकाबले में भी बल्लेबाजों का ही बोलबाला रहने वाला है,जबकि गेंदबाज सिर्फ मैच को बचाने में अपना किरदार निभाते नजर आयेंगे।बावजूद इन सभी बातों के अब देखना यह दिलचस्प रहेगा कि टॉस का टोटका फाइनल में भी चलता है या नहीं,वहीं 31 मई 2026 का सबसे बड़ा सवाल ही यही है कि आज का चैंपियन बनेगा कौन .....

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

आईपीएल 2026: आरसीबी और जीटी के बीच खिताबी महासंग्राम आज

अहमदाबाद में 'किंग' कोहली बनाम 'प्रिंस' गिल, ट्रॉफी से एक कदम दूर हैं दोनों टीमें

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2026 का बहुप्रतीक्षित फाइनल रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (ऋष्टक्क) और गुजरात टाइटन्स (त्रञ्ज) आमने-सामने होंगी। पूरे सीजन में शानदार प्रदर्शन करने वाली दोनों टीमों ने दमदार खेल दिखाते हुए फाइनल तक का सफर तय किया है। अब क्रिकेट प्रेमियों की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि आखिर इस बार खिताब किस टीम के नाम होगा।

आरसीबी ने क्वालिफायर-1 में गुजरात टाइटन्स को हराकर सीधे फाइनल का टिकट हासिल किया था। उस मुकाबले में कप्तान रजत पाटीदार ने केवल 33 गेंदों में 93 रन ठोककर गुजरात के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दी थीं। दूसरी ओर, गुजरात टाइटन्स ने क्वालिफायर-2 में राजस्थान रॉयल्स को मात देकर फाइनल में प्रवेश किया। गुजरात की जीत के सबसे बड़े नायक कप्तान शुभमन गिल रहे, जिन्होंने शानदार शतक जड़ते हुए अपनी टीम को जीत दिलाई। उनकी पारी में 15 चौके और 3 छक्के शामिल थे, जिसने उनकी बेहतरीन फॉर्म को फिर साबित कर दिया।

फाइनल मुकाबले का सबसे बड़ा आकर्षण विराट कोहली और शुभमन गिल की भिड़ंत होगी। एक ओर अनुभवी विराट कोहली हैं, जिन्हें दुनिया 'किंग' के नाम से जानती है, तो दूसरी ओर युवा कप्तान शुभमन गिल हैं, जिन्हें भारतीय क्रिकेट का 'प्रिंस' कहा जाता है। कोहली ने इस सीजन 15 मैचों में 600 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 164.38 रहा है। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में शानदार बल्लेबाजी की है और एक शतक भी जड़ा है। वहीं गिल ने 15 मैचों में 722 रन बनाकर अपनी टीम की बल्लेबाजी की रीढ़ साबित हुए हैं।

साई सुदर्शन और रबाडा भी बने गुजरात की ताकत

गुजरात टाइटन्स की सफलता में केवल शुभमन गिल ही नहीं, बल्कि साई सुदर्शन का भी बड़ा योगदान रहा है। सुदर्शन ने 16 मैचों में 710 रन बनाए हैं और लगातार टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई है। दोनों सलामी बल्लेबाजों की जोड़ी इस सीजन की सबसे सफल जोड़ियों में शामिल रही है। गेंदबाजी में कगिसो रबाडा गुजरात के सबसे बड़े हथियार साबित हुए हैं। उन्होंने 16 मैचों में 28 विकेट लेकर पर्पल कैप की दौड़ में बढ़त बनाई हुई है। फाइनल में भी गुजरात को उनसे बड़ी उम्मीदें रहेंगी। आरसीबी की गेंदबाजी इकाई भी इस बार काफी मजबूत नजर आई है। अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने 15 मैचों में 26 विकेट लेकर विपक्षी बल्लेबाजों को खूब परेशान किया है। वहीं जोश हेजलवुड और क्रुणाल पंड्या ने भी अहम मौकों पर टीम को सफलता दिलाई है। यदि आरसीबी को दूसरी बार गुजरात पर जीत दर्ज करनी है तो उसके गेंदबाजों को गिल और सुदर्शन की जोड़ी को जल्दी तोड़ना होगा।

अहमदाबाद में गुजरात का पलड़ा भारी, लेकिन आरसीबी का आत्मविश्वास बुलंद

नरेंद्र मोदी स्टेडियम गुजरात टाइटन्स का घरेलू मैदान है और यहां उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है। इस सीजन टीम ने अपने घर पर खेले गए 7 में से 5 मुकाबले जीते हैं। हालांकि दिलचस्प बात यह है कि आईपीएल 2026 में दोनों टीमें दो बार आमने-सामने आईं और दोनों ही मैचों में जीत आरसीबी के खाते में गई। ऐसे में गुजरात घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने की कोशिश करेगी, जबकि आरसीबी पिछले मुकाबलों की सफलता से आत्मविश्वास हासिल करेगी। आरसीबी पांचवीं बार आईपीएल फाइनल खेल रही है और लगातार दूसरी ट्रॉफी जीतने का सपना देख रही है। वहीं गुजरात टाइटन्स तीसरी बार फाइनल में पहुंची है और दूसरी बार खिताब जीतने की कोशिश करेगी। क्रिकेट प्रेमियों को एक रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है, जहां अनुभव और युवा जोश का शानदार संगम देखने को मिलेगा।

एशियन गेम्स की टीम से कटा सूर्या का पत्ता 30 संभावितों की सूची में सूर्यवंशी का नाम

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव इस वर्ष 19 सितंबर से ऐची-नागोया (जापान) में होने वाले एशियाई खेलों में भारतीय टीम के कप्तान नहीं होंगे। यही नहीं वह इन खेलों की टीम में भी नहीं होंगे। उन्हें बीसीसीआई की ओर से एशियाई खेलों के संभावितों में जगह नहीं दी गई है। वहीं, आईपीएल में अपने बल्ले धूम मचाने वाले 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी एशियाई खेलों की टीम में जगह बनाने जा रहे हैं। उन्हें संभावितों में जगह मिली है।

संभावितों में टी-20 विश्वकप जीतने वाली 15 सदस्यीय टीम के 13 क्रिकेटर शामिल हैं। इनमें सूर्य और सिराज को छोड़ बुमराह, सैमसन, अभिषेक, हार्दिक पंड्या, रिंकू, ईशान जैसे क्रिकेटर हैं। जिसके चलते यह माना जा रहा है कि जापान में भारतीय टीम नए कप्तान की अगुवाई में ज्यादातर मुख्य क्रिकेटरों के दम पर अपने स्वर्ण पदक की रक्षा

वैभव के एशियाड से पहले टीम में आने की संभावना

वैभव को भारतीय टीम में शामिल किए जाने की आवाज जोर पकड़ रही है। उन्होंने आईपीएल में अपने प्रदर्शन से टीम में शामिल होने का दावा भी ठोक दिया है। बीसीसीआई ने एशियाड के संभावितों में उन्हें जगह देकर यह संकेत भी दे दिया है कि वह जल्द टीम में होंगे। हालांकि एशियाड से पहले भारत को आयरलैंड में 26 जून से दो टी-20, जुलाई में इंग्लैंड में पांच टी-20 और तीन वनडे, जिंबाब्वे में 23 जुलाई से तीन टी-20 और श्रीलंका में अगस्त में दो टेस्ट और दो टी-20 खेलने हैं।

पंत के कप्तानी छोड़ते ही ट्रोल हुए संजीव गोयनका? पुराना वीडियो हो रहा वायरल, लोग उड़ा रहे मजाक

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस ने शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स को क्वालिफायर-2 में हराकर फाइनल में जगह बनाई। हालांकि, फाइनल से ज्यादा चर्चा फिलहाल सोशल मीडिया पर ऋषभ पंत के कप्तानी छोड़ने को लेकर हो रही है। पंत ने शुक्रवार को लखनऊ सुपर जाएंट्स फ्रेंचाइजी की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया। यह फैसला चौंकाने वाला रहा क्योंकि उन्हें पिछले सीजन ही टीम का कप्तान बनाया गया था। दो सीजन में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद ही उन्हें कप्तानी से हटा दिया गया। पंत के कप्तानी छोड़ने के बाद सोशल मीडिया पर फ्रेंचाइजी के मालिक संजीव गोयनका सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल हो रहे हैं। दरअसल, पंत को आईपीएल 2025 से पहले लखनऊ सुपर जाएंट्स ने 27 करोड़ रुपये में शामिल किया था। आईपीएल 2025 से पहले संजीव गोयनका कई पॉडकास्ट में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने पंत को लेकर कई ऐसी बातें कही थीं, जिसका फैंस मजाक बना रहे हैं। फैंस कह रहे हैं, उन शब्दों का अंत गोयनका ने दो सीजन में ही पंत से कप्तानी छीन कर कर दिया। दरअसल, होस्ट जतिन सप्रू को दिए एक इंटरव्यू में संजीव गोयनका ने पंत की तुलना रोहित शर्मा और महेंद्र सिंह धोनी जैसे आईपीएल के सबसे कामयाब कप्तानों से की थी।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

'अल्फा' में दिखेगा स्पाई यूनिवर्स का नया तूफान

आलिया भट्ट बनेंगी घातक 'अल्फा किलर'

मुंबई से सामने आ रही ताज़ा जानकारी के अनुसार यशराज फिल्म्स अपने चर्चित स्पाई यूनिवर्स को एक नए और साहसिक मोड़ पर ले जाने की तैयारी में है। आगामी फिल्म 'अल्फा' को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही भारी उत्साह देखा जा रहा है। इस फिल्म में पहली बार एक महिला केंद्रित स्पाई कहानी को पूरी ताकत के साथ बड़े पर्दे पर पेश किया जाएगा।

सूत्रों के अनुसार, अभिनेत्री आलिया भट्ट इस फिल्म में एक बेहद शक्तिशाली और घातक जासूस की भूमिका निभाती नजर आएंगी, जिसे अल्फा किलर कहा जा रहा है। यह किरदार विशेष प्रशिक्षण से तैयार किया गया है और इसका मुख्य उद्देश्य खतरनाक मिशनों को अंजाम देना और दुश्मनों का सफाया करना बताया जा रहा है। कहा जा रहा है कि यह किरदार पारंपरिक हीरो-हीरोइन की छवि से अलग होगा और इसे नैतिकता की सीमाओं में नहीं बांधा जाएगा। दर्शकों को ऐसा पात्र देखने को मिलेगा जो अपने फैसले खुद लेता है और अपने तरीके से मिशन पूरे करता है।

यशराज फिल्म्स के प्रमुख आदित्य चोपड़ा इस फिल्म के जरिए स्पाई यूनिवर्स में एक बड़ा क्रिएटिव बदलाव लाने की योजना बना रहे हैं। उनका उद्देश्य दर्शकों को ऐसा किरदार दिखाना है जिसे सिर्फ सही या गलत के आधार पर न आंका जाए, बल्कि उसकी सोच और परिस्थितियों को भी समझा जाए। सूत्रों का कहना है कि आज के समय में दर्शक जटिल और रोमांचक किरदारों को ज्यादा पसंद करते हैं, और 'अल्फा' इसी दिशा में एक नया प्रयोग होगी।

महिला स्पाई की पहली बड़ी फिल्म

'अल्फा' को ङ्घक्रस्न स्पाई यूनिवर्स की पहली ऐसी फिल्म माना जा रहा है जिसमें पूरी कहानी एक महिला एजेंट के इर्द-गिर्द घूमेगी। इस फिल्म में आलिया भट्ट के साथ शरवरी वाघ भी अहम भूमिका निभाएंगी। वहीं, बॉबी देओल मुख्य खलनायक के रूप में नजर आ सकते हैं। फिलहाल फिल्म को लेकर आधिकारिक टीज़र का इंतजार किया जा रहा है, और मेकर्स ने इस पर ज्यादा जानकारी देने से फिलहाल इनकार किया है।

तेलुग-तमिल फिल्मों में दिलचस्पी, मगर मलयालम फिल्मों में काम नहीं करना चाहतीं जाह्नवी, बताई वजह

मुंबई । अभिनेत्री जाह्नवी कपूर की फिल्म पेड्डी सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। हिंदी के साथ ही साउथ की फिल्मों में काम कर चुकीं जाह्नवी कपूर ने कहा कि वह दोबारा मलयालम सिनेमा में काम नहीं करना चाहती हैं। उन्होंने इसके पीछे की वजह भी बताई।

हाल ही में फिल्म 'परम सुंदरी' में काम करने के बाद उन्होंने माना कि मलयालम भाषा उनके लिए काफी मुश्किल साबित हुई। जाह्नवी कपूर ने आईएएनएस को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि साल 2024 में तेलुगु फिल्म 'देवरा: पार्ट 1' से दक्षिण भारतीय सिनेमा में डेब्यू करने के बाद अब वे खुद को कई भाषा जानने वाली अभिनेत्री मानती हैं। उन्होंने बताया, सच कहूं तो मुझे सभी भाषाएं सीखनी हैं। लेकिन मलयालम भाषा की फोनेटिक्स मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण रही। मुझे नहीं लगता कि मुझे दोबारा मलयालम में काम करना चाहिए क्योंकि यह मेरे लिए बहुत मुश्किल है। यह बहुत खूबसूरत और प्यारी भाषा है, लेकिन तमिल और तेलुगु की आवाजों से मैं काफी हद तक परिचित हूं। साल 2018 में फिल्म 'धड़क' से करियर की शुरुआत करने वाली जाह्नवी कपूर 'गुंजन सक्सेना', 'मिली' और 'देवरा: पार्ट 1' जैसी फिल्में दे चुकी हैं। जाह्नवी तेलुगु फिल्मों का भरपूर आनंद ले रही हैं और तमिल सिनेमा में भी काम करने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा, मैं तेलुगु फिल्मों में काम करने का सच में आनंद ले रही हूं। मैं तमिल फिल्मों में भी काम करना चाहूंगी। पेड्डी एक एक्शन ड्रामा फिल्म है। फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। ट्रेलर में गांव की जिंदगी, मेहनत, संघर्ष और खेलों के प्रति जुनून साफ दिखाई दे रहा है। राम चरण एथलीट पेड्डी की भूमिका में हैं, जो क्रिकेट, कुश्ती और दौड़ जैसे कई खेलों के लिए मैदान में उतरता है।

मेट्रो बाजार

भारत की अर्थव्यवस्था में मजबूती बरकरार, लेकिन वैश्विक चुनौतियों के बीच सतर्क रहने की जरूरत

नई दिल्ली । वित्त मंत्रालय ने जारी अपनी मंथली इकोनॉमिक रिव्यू में कहा कि मई में भारत की व्यापक आर्थिक (मक्रोइकोनॉमिक) स्थिति सतर्क लेकिन मजबूत बनी हुई है। मजबूत सेवा निर्यात, पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार और स्थिर श्रम बाजार ने अर्थव्यवस्था को सहारा दिया है। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर ऊर्जा की ऊंची कीमतें, रुपए में कमजोरी, उत्पादन लागत में बढ़ता दबाव और सामान्य से कम मानसून की संभावना ऐसे कारक हैं, जिनके चलते नीति निर्माताओं को लगातार सतर्क रहने की आवश्यकता होगी। आर्थिक समीक्षा में कहा गया, ÷वित्त वर्ष 2026-27 में विकास की रफ्तार बनाए रखने और महंगाई को नियंत्रित रखने के लिए मौद्रिक, राजकोषीय और संरचनात्मक नीतियों में लचीलापन और सक्रियता जरूरी होगी, क्योंकि वैश्विक माहौल अभी भी अनिश्चित बना हुआ है।÷ रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पहले से कमजोर वैश्विक आर्थिक सुधार के लिए एक बड़ा झटका बनकर उभरा है। इसका असर ऊर्जा बाजार, सप्लाई चेन, व्यापार मार्गों और वैश्विक वित्तीय परिस्थितियों पर साफ दिखाई देने लगा है। ऊर्जा, परिवहन और लॉजिस्टिक्स लागत में वृद्धि के कारण महंगाई का दबाव फिर बढ़ा है, और कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में स्टैगफ्लेशन (कम विकास और ऊंची महंगाई) की चिंताएं दोबारा उभरने लगी हैं।

विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के बीच घरेलू निवेशकों ने संभाला बाजार

मुंबई । घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने मई में भारतीय शेयर बाजार को मजबूत सहारा देते हुए रिकॉर्ड 82,668 करोड़ रुपए का निवेश किया। दूसरी ओर, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने लगातार बिकवाली जारी रखी। घरेलू निवेशकों द्वारा लगाए गए इस बड़े निवेश ने विदेशी निवेशकों की 11 महीने से जारी बिकवाली के असर को काफी हद तक संतुलित कर दिया। मई के दौरान एफआईआई ने कुल 55,963 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, लेकिन डीआईआई के मजबूत निवेश ने बाजार में तरलता (लिक्विडिटी) बनाए रखी। महीने के दौरान निवेशकों के बीच यह खींचतान अंतिम सप्ताह के कारोबार में भी साफ दिखाई दी। बजाज ब्रोकिंग के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट (टेक्निकल) पबित्रो मुखर्जी ने कहा, ÷एफआईआई ने अपनी बिकवाली जारी रखी और चार कारोबारी सत्रों में शुद्ध रूप से 23,734 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। वहीं डीआईआई ने बाजार के सबसे बड़े सहारे की भूमिका निभाते हुए 25,503 करोड़ रुपए की खरीदारी की। खास बात यह रही कि डीआईआई ने पूरे सप्ताह हर दिन लगातार खरीदारी की। विश्लेषकों के अनुसार, विदेशी निवेशकों की इस बड़े पैमाने पर निकासी की मुख्य वजह पश्चिम एशिया में बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव है, जिसने वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता और जोखिम से बचने की प्रवृत्ति को बढ़ा दिया है। इसके अलावा, रुपए में कमजोरी और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों जैसे कई व्यापक आर्थिक दबावों ने भी विदेशी निवेशकों की चिंता बढ़ाई है। हालांकि, भारतीय शेयर बाजार ने अपेक्षाकृत स्थिर लेकिन घटनापूर्ण सप्ताह का सामना किया।

सीकर-चूरू सहित 4 जिलों में दिन में छाया अंधेरा

जयपुर। राजस्थान में भीषण गर्मी और हीटवेव के बीच पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से लोगों को गर्मी से राहत मिलती नजर आ रही है। कई इलाकों के तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोग राहत की सांस ले पा रहे हैं। बता दें कि चूरू समेत 4 जिलों में अचानक मौसम के करवट लेते ही पूरे शहर में अंधेरा छा गया। तेज धूल भरी आंधी ने शहर को पूरी तरह से अपनी आगोश में ले लिया। जानकारी के अनुसार, सीकर, चूरू, गंगानगर और बीकानेर जिले में रेतीला बवंडर देखने को मिला है। हालत यह हो गए थे कि कुछ ही मिनटों में पूरा शहर में रेत ही रेत हो गया। कुछ ही मिनटों में दिन से रात होने पर लोग काफी घबरा गए और वह सुरक्षित स्थानों पर पहुंच गए। धूल के विशाल बवंडर ने पूरे आसमान को ढक लिया, जिससे कुछ देर के लिए हालात दिन में ही रात जैसे नजर आने लगे। दोपहर करीब दो बजे उठी तेज आंधी के कारण दृश्यता काफी कम हो गई। सड़कों पर चल रहे वाहनों की रफ्तार थम गई और वाहन चालकों को हेडलाइट जलाकर सफर करना पड़ा। धूल का गुबार इतना घना था कि कुछ मीटर की दूरी तक देख पाना भी मुश्किल हो गया था।

न्यूज विंडो

परमाणु संयंत्र पर यूक्रेन का हमला यह आग से खेलने जैसा: आईएईए

वियना। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने जापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हुए ड्रोन हमले को लेकर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने चेतावनी दी कि परमाणु केंद्रों पर हमले करना आग से खेलने जैसा खतरनाक काम है। IAEA ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी दी कि संयंत्र प्रशासन ने उन्हें ड्रोन हमले की सूचना दी है। यह ड्रोन संयंत्र की एक टर्बाइन बिल्डिंग से टकराया। इस टक्कर की वजह से इमारत की एक दीवार में छेद हो गया है। ग्रॉसी ने अपनी बात दोहराते हुए कहा कि किसी भी परमाणु केंद्र पर या वहां से किसी भी तरह का हमला नहीं होना चाहिए। उन्होंने सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की ताकि परमाणु सुरक्षा और सुरक्षा को कोई खतरा न हो। संयंत्र में मौजूद द्धश्व की टीम ने नुकसान का खुद जायजा लेने के लिए प्रभावित इमारत तक जाने की अनुमति मांगी है। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने यह जानकारी दी है। IAEA के अनुसार, अप्रैल 2024 के बाद यह पहली बार है जब संयंत्र के घेरे के भीतर कोई ड्रोन हमला हुआ है।

6 गाड़ियों में टक्कर के बाद खाई में गिरी बस, 5 की मौत, 34 घायल

स्टैफोर्ड। अमेरिका के वर्जीनिया में इंटरस्टेट 95 पर एक हादसा हो गया। यहां एक निर्माण क्षेत्र के कारण धीमी गति से चल रहे वाहनों से एक बस टकरा गई। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 34 लोग घायल बताए जा रहे हैं। ये हादसा स्टैफोर्ड काउंटी में क्वांटिको के पास हुआ। पुलिस के मुताबिक मरने वाले सभी पांच लोग उन वाहनों में थे, जिन्हें बस ने टक्कर मारी थी। हादसे के बाद 44 लोगों को अस्पतालों में ले जाया गया, जिनमें से तीन की हालत गंभीर है। पुलिस ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि निर्माण क्षेत्र के कारण दक्षिण की ओर जाने वाले वाहनों की गति धीमी हो रही थी। एक बस यातायात के लिए गति धीमी करने में विफल रही और छह वाहनों से टकरा गई।' पुलिस ने बताया कि बस में 'लगभग' 34 यात्री सवार थे। घटनास्थल पर मौजूद संघीय परिवहन प्रशासन के प्रवक्ता पेटन वोगेल ने कहा, 'हमारे मरीज कई अस्पतालों में भर्ती हैं।

पाक से लौटते समय ट्रक पलटने से 18 शरणार्थियों की मौत; 35 घायल

काबुल। अफगानिस्तान में एक ट्रक पलटने से शरणार्थियों की मौत हो गई है। ये सभी लोग पाकिस्तान से वापस आ रहे थे। इस हादसे में 35 लोग घायल भी बताए जा रहे हैं। घटना के बाद से मौके पर चीख-पुकार मच गई। आनन-फानन में घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। बता दें कि हाल ही में पाकिस्तान के द्वारा शरणार्थियों को देश छोड़ने पर मजबूर किया जा रहा है, जिसके बाद से ये सभी लोग वापस अफगानिस्तान लौट रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि पूर्वी अफगानिस्तान के एक राजमार्ग पर यह हादसा हुआ है। जानकारी के मुताबिक पड़ोसी देश पाकिस्तान से लौट रहे अफगान शरणार्थियों को ले जा रहा एक ट्रक पलट गया। इस हादसे में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई, जबकि 35 अन्य घायल हो गए। इसमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। प्रांतीय राज्यपाल के प्रवक्ता अब्दुल मलिक नियाजई ने बताया कि यह हादसा लघमान प्रांत में काबुल को नंगरहार प्रांत से जोड़ने वाले मुख्य राजमार्ग पर हुई। उन्होंने बताया कि मृतकों में 10 बच्चे और पांच महिलाएं शामिल हैं और घायलों को नंगरहार के अस्पतालों में इलाज के लिए ले जाया गया है। वहीं तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबिहुल्लाह मुजाहिद ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने जमकर की तारीफ

अमेरिका ने माना लोहा, चीन का वर्चस्व नहीं, भारत का दबदबा

सिंगापुर सिटी, एजेंसी

अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने, एक बार फिर भारत की तारीफ की है। उन्होंने भारत को दक्षिण एशिया में भारत का अहम साझीदार बताया है। हेगसेथ ने कहाकि भारत इस क्षेत्र में संतुलन बनाए रखने के साझा अमेरिकी लक्ष्य को आगे बढ़ाता है। सिंगापुर में शांगरी-ला डायलॉग में बोलते हुए, हेगसेथ ने कहाकि कोई भी देश, चाहे वह चीन ही क्यों न हो, एशिया में अपनी मनमानी नहीं थोप सकता है। अमेरिकी रक्षा सचिव ने यह भी कहाकि किसी भी तरह से हमारे देश और हमारे सहयोगियों की सुरक्षा या समृद्धि को सवाल के घेरे में नहीं लाया जा सकता। हालांकि उन्होंने चीन को लेकर नरमी भी बरती और कहाकि चीन की बढ़ती सैन्य ताकत के बावजूद अमेरिका का उससे टकराव नहीं है। हेगसेथ ने यह भी कहाकि जब ट्रंप शासन में रहे हैं तो चीन और अमेरिका के संबंध बेहतर रहे हैं।

क्षेत्रीय स्थिरता अहम: हेगसेथ ने अमेरिका की व्यापक हिंद-प्रशांत रणनीति की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए भारत पर ये टिप्पणी की, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य क्षेत्रीय स्थिरता को बनाए रखना है, साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी एक शक्ति इस क्षेत्र पर हावी न हो सके। उन्होंने कहाकि हम चाहते हैं कि एक ऐसा स्थिर संतुलन बने, जो अमेरिकियों के साथ-साथ हमारे सहयोगियों के लिए भी कारगर हो। एक ऐसा अनुकूल, लेकिन टिकाऊ, शक्ति संतुलन जिसमें चीन सहित कोई भी देश अपना वर्चस्व स्थापित न कर सके और अमेरिका और उसके सहयोगियों की सुरक्षा या समृद्धि को खतरे में न डाल सके।

अधिक साझा जिम्मेदारी की अपील: अमेरिकी विदेश मंत्री ने सहयोगी देशों और साझेदारों के बीच अधिक साझा जिम्मेदारी निभाने की अपील दोहराई। उन्होंने कहाकि धनी देशों की रक्षा के लिए अमेरिका द्वारा सब्सिडी देने का युग समाप्त हो गया है। हमें संरक्षित देशों की नहीं, बल्कि साझेदारों की आवश्यकता है। हम साझा जिम्मेदारी पर आधारित गठबंधन चाहते हैं, न कि निर्भरता पर।

भारत को बताया भागीदार

सिंगापुर शिखर सम्मेलन में प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए हेगसेथ ने भारत की बढ़ती सैन्य और औद्योगिक क्षमताओं पर भी प्रकाश डाला और देश को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में तेजी से उभरता महत्वपूर्ण सुरक्षा भागीदार बताया। उन्होंने कहा कि भारत अपने सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण कर रहा है और विशेषकर हिंद महासागर क्षेत्र में शक्ति संतुलन बनाए रखने में मदद कर रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत उच्च स्तरीय सैन्य अभियानों को बनाए रखने के लिए विशाल औद्योगिक क्षमता और साजो-सामान का निर्माण भी कर रहा है।

नए CDS सुब्रमणि ने संभाला कार्यभार, कहा-

स्वदेशी हथियारों के विकास पर तेजी से करेंगे काम

नई दिल्ली। पाकिस्तान और चीन मामलों के एक्सपर्ट के रूप में मशहूर जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने आज भारत के नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ यानी ष्ठष्ठस् के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। उन्हें महत्वाकांक्षी Military Theaterisation Plan को लागू करने और तीनों सेनाओं के बीच समन्वय को मजबूत करने का प्राथमिक दायित्व दिया गया है। जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने जनरल अनिल चौहान की जगह ली है, जिन्होंने शनिवार को देश के सर्वोच्च सैन्य कमांडर के तौर पर अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद पद को छोड़ा है।

तीनों सेनाओं का तालमेल बढ़ाने पर होगा फोकस: बता दें कि जनरल सुब्रमणि, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में सैन्य सलाहकार के तौर पर कार्यरत थे। पिछले साल 31 जुलाई को सेना उप प्रमुख के पद से जनरल सुब्रमणि रिटायर हुए थे। CDS का पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद, जनरल सुब्रमणि ने कहा कि सशस्त्र बलों का रूपांतरण, तीनों सेनाओं के बीच समन्वय और एकीकरण को बढ़ाने के लिए संगठनात्मक सुधार उनका प्राइमरी टारगेट होगा। CDS जनरल सुब्रमणि ने यह भी कहा, 'हम अपने सशस्त्र बलों में स्वदेशी हथियार सिस्टम के डेवलपमेंट, उनको सेना में शामिल करने और सेनाओं के एकीकरण की दिशा में में तेजी काम करेंगे।

अमेरिका के आसमान में फटा उल्कापिंड, धमाके से हिले घर

वाशिंगटन। पूर्वोत्तर अमेरिका के आसमान में एक विशाल उल्कापिंड के फटने से जोरदार धमाका हुआ। नासा के वैज्ञानिकों के अनुसार, इस विस्फोट से पैदा हुई सोनिक बूम की ताकत करीब 300 टन टीएनटी के बराबर थी। इस जोरदार आवाज और कंपन ने कई राज्यों के निवासियों को चौंका दिया।

यह घटना स्थानीय समयानुसार दोपहर 2:06 बजे हुई। चमकीला उल्कापिंड उत्तर-पूर्वी मैसाचुसेट्स और दक्षिण-पूर्वी न्यू हैम्पशायर के ऊपर आसमान में ही टूटकर बिखर गया। इसके फटने से इतनी तेज आवाज हुई कि पूरे न्यू इंग्लैंड क्षेत्र में गूंज सुनाई दी और कई इलाकों में इमारतें तक हिल गईं।

नासा की डिप्टी न्यूज चीफ जेनिफर डोरेन ने कहा कि यह उल्कापिंड फिलहाल सक्रिय किसी भी उल्का बौछार का हिस्सा नहीं था। यह एक प्राकृतिक खगोलीय पिंड था, न कि अंतरिक्ष का कचरा या किसी सैटेलाइट के वापस धरती पर गिरने का मामला। इसके टूटने से करीब 300 टन टीएनटी के बराबर ऊर्जा निकली, जिससे यह भयंकर आवाज पैदा हुई।

75 हजार मील प्रति घंटे की रफ्तार

नासा के आंकड़ों के मुताबिक, जब इस उल्कापिंड ने पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश किया, तब इसकी रफ्तार करीब 1,20,700 किलोमीटर प्रति घंटा थी। जमीन से लगभग 64 किलोमीटर ऊपर आते ही यह भीषण दबाव के कारण टुकड़ों में बंट गया।

मन की बात: प्रधानमंत्री बोले- धूप में निकलना पड़े तो थोड़ा संभल कर निकलें

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का आज 134वां एपिसोड प्रसारित हुआ। इसके माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'इस समय देश के ज्यादातर हिस्सों में बहुत गर्मी पड़ रही है। तेज धूप, गर्म हवाएं, ऐसे मौसम में अपना ध्यान रखना बहुत जरूरी है। पानी पीते रहिए। धूप में अगर निकलना ही पड़े तो थोड़ा संभल कर निकलें। इस दिशा में सरकार के अलग-अलग विभागों ने जो Guidelines जारी की है वो भी भूलिएगा नहीं। हमारे यहां गर्मी से लड़ने का तरीका कई बार रसोई में भी मिलता है। आपने भी देखा होगा जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती है, वैसे-वैसे घर की रसोई का स्वाद बदल जाता है, रसोई का प्रकार बदल जाता है। कहीं मटके का पानी निकल आता है, कहीं दही जमने लगता है, तो कहीं कच्चे आम उबलने लगते हैं और फिर शुरू होता है देसी पेय का दौर।' साथ ही पीएम मोदी ने कहा, 'कुछ दिन पहले ही झारखंड के रांची में National Senior Athletics Federation Competition हुआ। इसमें करीब 800 Athletes ने हिस्सा लिया जो देशभर से आए थे। इस दौरान, चार अलग-अलग इवेंट में 4 नेशनल रिकॉर्ड टूटे। गुरिंदरवीर सिंह, विशाल टीके, तेजस्विन शंकर, देव मीणा और कुलदीप कुमार। इन साथियों ने अलग-अलग कैटेगरी में नए रिकॉर्ड बनाए। मैं सबसे पहले तो इन सभी को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा, 'एक प्रेरक गाथा उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले से सामने आई है। बस्ती के आकाश गुप्ता अपने गांव की मनोरमा नदी को देखकर बहुत दुखी होते थे क्योंकि जिस नदी को उन्होंने बचपन में साफ और जीवंत देखा था, समय के साथ उस नदी में प्लास्टिक जमा होने लगा था।

मेट्रो एंकर | दुर्लभ खगोलीय घटना, साल का सबसे छोटा पूर्णिमा का चंद्रमा होगा

आज रात आसमान में महासंयोग, दिखेगा 'ब्लू माइक्रोमून'

भोपाल, दोपहर मेट्रो

खगोलीय घटनाओं में रुचि रखने वालों के लिए 31 मई 2026 की रात खास होने जा रही है। आज आसमान में एक दुर्लभ खगोलीय संयोग देखने को मिलेगा, जब 'ब्लू मून' और 'माइक्रोमून' एक साथ दिखाई देंगे। यह इस साल का सबसे छोटा पूर्णिमा का चंद्रमा होगा।

नेशनल अवॉर्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू के अनुसार, 'ब्लू मून' नाम से भ्रमित होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि चंद्रमा नीले रंग का नहीं दिखेगा। जब एक ही अंग्रेजी महीने में दो पूर्णिमा होती हैं, तो दूसरी पूर्णिमा को 'ब्लू मून' कहा जाता है। इस महीने 1 मई को पहली पूर्णिमा थी, जबकि 31 मई को दूसरी पूर्णिमा पड़ रही है। उन्होंने बताया कि आज चंद्रमा पृथ्वी से अपनी सबसे अधिक दूरी, यानी एपोजी पर रहेगा। यह दूरी लगभग 4 लाख 6 हजार किलोमीटर होगी। इसी कारण चंद्रमा सामान्य पूर्णिमा की तुलना में 5 से 7 प्रतिशत छोटा और करीब 10 प्रतिशत कम चमकीला दिखाई देगा। इस स्थिति को 'माइक्रोमून' कहा जाता है।

एंटारेस तारे के पास दिखेगा चांद

आज रात एक और अद्भुत दृश्य देखने को मिलेगा। चंद्रमा वृश्चिक राशि के सबसे चमकदार लाल तारे 'एंटारेस' के बेहद करीब नजर आएगा। यह दृश्य पूरी रात बिना किसी टेलिस्कोप या बाइनाकुलर के देखा जा सकेगा।

खास बात यह है कि 'मंथली ब्लू मून' और 'माइक्रोमून' का एक साथ होना बेहद दुर्लभ खगोलीय संयोग माना जाता है।

हिंदू पंचांग के अनुसार आज अधिकमास की ज्येष्ठ पूर्णिमा है और चंद्रमा वृश्चिक राशि में स्थित रहेगा, इसलिए इसे 'स्कार्पियो ब्लू मून' भी कहा जा रहा है।

अगला ब्लू मून कब

20 मई 2027 – सीजनल ब्लू मून

31 दिसंबर 2028 – पूर्ण चंद्रग्रहण के साथ मंथली ब्लू मून

24 अगस्त 2029 – सीजनल ब्लू मून

आज की रात आसमान में नजर आने वाला यह दुर्लभ नजारा खगोल प्रेमियों के लिए किसी उत्सव से कम नहीं होगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564